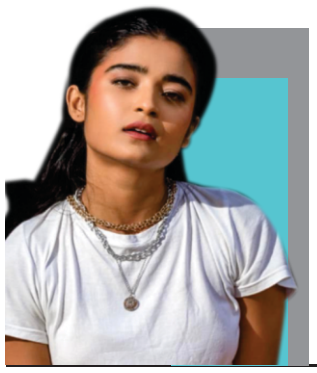

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 गोरखपुर में सीएम योगी ने सुनी फरियाद

5 यूपी में पांच लाख से अधिक लोगों की रोक दी जाएगी किसान सम्मान निधि

8 'बस सपाट पिचों पर ही...

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 05 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 28 जुलाई,2025

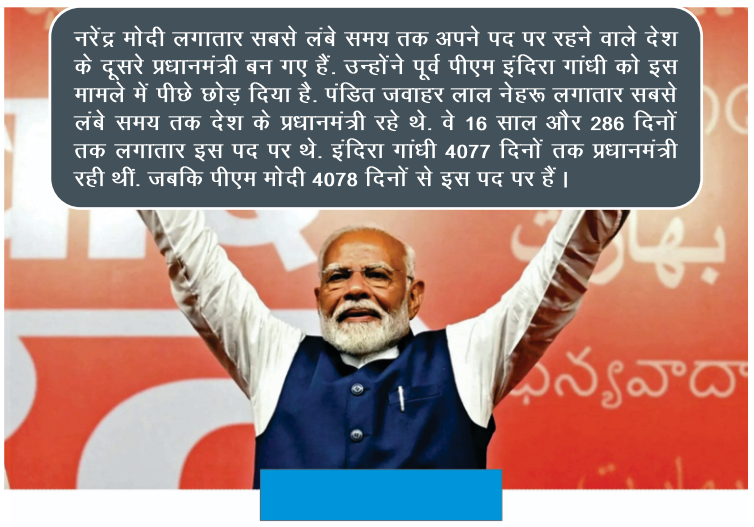

नरेंद्र मोदी लगातार सबसे लंबे समय तक अपने पद पर रहने वाले देश के दूसरे प्रधानमंत्री बन गए हैं. उन्होंने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को इस मामले में पीछे छोड़ दिया है. पंडित जवाहर लाल नेहरू लगातार सबसे लंबे समय तक देश के प्रधानमंत्री रहे थे. वे 16 साल और 286 दिनों तक लगातार इस पद पर थे. इंदिरा गांधी 4077 दिनों तक प्रधानमंत्री रही थीं. जबकि पीएम मोदी 4078 दिनों से इस पद पर हैं।

सबसे लंबा शासन करने वाले दूसरे पीएम बने मोदी, इंदिरा गांधी को पीछे छोड़ा

बिजलीकर्मियों ने बुलंद की आवाज

गोरखपुर में विद्युत कर्मचारियों का निजीकरण के खिलाफ प्रदर्शन, निजीकरण का प्रयोग विफल होने पर भी प्रबंधन की मनमानी, मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप का अनुरोध, विफल प्रयोग न थोपा जाए

गोरखपुर में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने कहा कि निजीकरण हर जगह विफल रहा है फिर भी बिजली निगम प्रबंधन मनमानी कर रहा है। समिति के संयोजक पुष्पेंद्र लसह ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप का अनुरोध किया और कहा कि निजीकरण का विफल प्रयोग उत्तर प्रदेश की जनता पर न थोपा जाए। उन्होंने कर्मचारियों के योगदान को भी रेखांकित किया।

संवाददाता, गोरखपुर। पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निजीकरण के विरोध में बिजलीकर्मियों ने 240वें दिन भी आवाज बुलंद की। मोहद्दीपुर स्थित हाइडिल कालोनी में बिजलीकर्मियों ने कहा कि निजीकरण का प्रयोग हर जगह विफल हो चुका है। इसके बाद भी बिजली निगम प्रबंधन मनमानी पर उतारू है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि निजीकरण का विफल प्रयोग उत्तर प्रदेश की गरीब जनता पर न थोपा जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है।

25 अश्लील एप्स पर चला सरकार का चाबुक

ALTT	लुक एंटरटेनमेंट	फुगी
ULLU	हिट प्राइम फेनेओ	मोजफ्लिक्स
बिग शॉट्स ऐप	शोएक्स	ट्राइफ्लिक्स
देसी फ्लिक्स	सोल टॉकीज	
बूमेक्स	अड्डा टीवी	
नवरसा लाइट	हॉटएक्स वीआईपी	
गुलाब ऐप	हलचल ऐप	
कंगन ऐप	मूडएक्स	
बुल ऐप	नियोनएक्स	
जलवा ऐप	वीआईपी	
वॉव एंटरटेनमेंट	शोहिट	

BANNED

दिल्ली,एजेंसी। भारत सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए उल्लू, ALTT, देसीफ्लिक्स, बिग शॉट्स और अन्य स्ट्रीमिंग ऐप्स पर प्रतिबंध लगा दिया है. सरकार ने ये फैसला अश्लील और सेक्सुअल कॉन्टेंट के खिलाफ नीति के तहत लिया है।

पीएम मोदी ने किंग चार्ल्स से की मुलाकात, भेंट किया पौधा

दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दो दिवसीय यूनाइटेड किंगडम की यात्रा पर हैं. इस दौरान पीएम मोदी ने गुरुवार को ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स III से भी मुलाकात की. किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने उन्हें 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधा भेंट किया।

लंदन में बकिंघमशायर स्ट्रीट क्रिकेट के खिलाड़ियों से मिले PM

गले मिले, हाथ मिलाया...UK PM ने दिल से किया मोदी का स्वागत

गोरखपुर में विमान दुर्घटनाग्रस्त

एयरपोर्ट पर विमान दुर्घटना की माक ड्रिल आयोजित, रनवे से फिसला विमान मची अफरा-तफरी, विभिन्न एजेंसियों ने संयुक्त रूप से किया बचाव कार्य

एयरफोर्स स्टेशन पर आपात की स्थिति को लेकर आयोजित मोकड्रिल के दौरान राहत तथा बचाव कार्य में जुटे जवान।

संवाददाता,गोरखपुर। एयरपोर्ट पर गुरुवार की सुबह 9:30 बजे कंट्रोल टावर से एक संदेश गूंजता है एयरलाइंस की फ्लाइट रनवे से फिसल गई है, विमान में आग लग चुकी है, यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और अलर्ट जारी हो गया। सायरन की आवाज सुन अग्निशमन दस्ते दमकल लेकर रनवे की ओर भागे। एम्स व बीआरडी मेडिकल की टीम एंबुलेंस लेकर पहुंच गई। यह देखकर एयरपोर्ट पर मौजूद लोग पहले तो घबराए लेकिन कुछ देर बाद पता चला कि यह फुल स्केल एयरपोर्ट इमरजेंसी माकड्रिल है जिसके बाद राहत की सांस ली। कंट्रोल टावर से दिए गए मैसेज में बताया गया कि रनवे पर क्रैश हुए विमान में 250 यात्री थे, जिसमें कुछ घायल तो कई बहोश हो गए हैं। कुछ गंभीर रुप से जल चुके हैं।यह सुनते ही हर तरफ दौड़-भाग शुरू हो गई। एंबुलेंस का सायरन, लगा वायरलेस सेट पर मैसेज गूंज रहा था गेट क्लियर करो। सबसे पहले वायुसेना के दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। पीछे-पीछे सिविल फायर ब्रिगेड की गाड़ियां, एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीम पहुंची।

घायलों को स्ट्रेचर पर लादने के साथ ही बीआरडी के डा. गगन गुप्ता, एम्स के डा. अरुण पांडेय और डा. एन.के. द्विवेदी ने प्राथमिक चिकित्सा दी इसके बाद घायलों को ग्रीन कारिडोर बनाकर अस्पताल भेजा गया। वहीं एयर कोमोडोर प्रशांत पूरे घटनाक्रम की निगरानी कर रहे थे। ग्रुप कैप्टन रवि किरन सिंह ने कमांड की जिम्मेदारी निभाई। विंग कमांडर अश्वनी दूबे, एयरपोर्ट निदेशक आर.के. पराशर, प्रभारी प्रचालन विजय कौशल, एसपी साउथ जितेंद्र कुमार भी सक्रिय दिखे।

गोरखपुर एयरपोर्ट पर विमान दुर्घटना की मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कंट्रोल टावर से विमान के रनवे से फिसलने और आग लगने की सूचना मिलते ही अफरा-तफरी मच गई। अग्निशमन दल और मेडिकल टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू किया। बाद में पता चला कि यह मॉक ड्रिल है जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

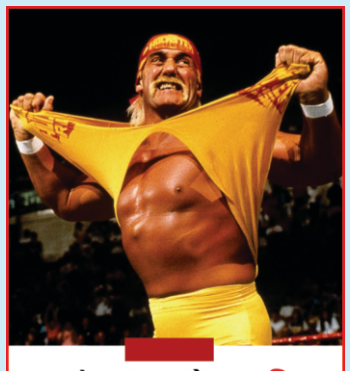

WWE रेसलर हल्क होगन का निधन, 71 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

दिल्ली,एजेंसी। प्रोफेशनल रेसलिंग के सुपरस्टार और मशहूर रेसलर हल्क हॉगन का निधन हो गया है. वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट के सबसे बड़े सितारों में से एक रहे हॉगन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया. अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार 24 जुलाई को हल्क हॉगन ने आखिरी सांस ली. हॉगन के निधन से WWE बिरादरी और उनके फैंस में शोक छा गया है और हर कोई उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है. हॉगन WWE इतिहास के सबसे सफल और इसे दुनियाभर में पॉपुलर बनाने वाले सबसे बड़े चेहरों में से एक थे।

सम्पादकीय

क्या मोहन भागवत 75 साल पूरे करने के बाद सितंबर में पद छोड़ देंगे

वरिष्ठ भाजपा नेता और आरएसएस के नेता भी इस बात पर ज़ोर देते हैं कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत शायद ही कभी कोई अनौपचारिक टिप्पणी करते हैं। उनकी टिप्पणियां अक्सर गंभीर होती हैं और दूरगामी परिणाम लाती हैं। ज़ाहिर है, पुस्तक विमोचन समारोह, जहां भागवत ने सुझाव दिया कि 75 वर्ष की आयु के बाद लोगों को सार्वजनिक जीवन से दूर हो जाना चाहिए, का राजनीतिक महत्व बहुत ज़्यादा है। जैसे–जैसे 11 सितंबर नज़दीक आ रहा है, जिस दिन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 75 साल के हो जाएंगे– जो कि आरएसएस द्वारा निर्धारित सेवानिवृत्ति की समय सीमा है, आरएसएस तंत्र में एक बड़ी हलचल है। वे सभी यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि क्या भागवत आखिरकार 11 सितंबर को अपना कार्यकाल समाप्त करेंगे और दूसरों से भी ऐसा करने के लिए कहेंगे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं, जो 17 सितंबर को 75 साल के हो जाएंगे। ।सेव त्मक – लड़कियों के लिए सामाजिक व्यवस्था अब भी क्रूर और जजमेंटल वरिष्ठ भाजपा नेता और आरएसएस के नेता भी इस बात पर ज़ोर देते हैं कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत शायद ही कभी कोई अनौपचारिक टिप्पणी करते हैं। उनकी टिप्पणियां अक्सर गंभीर होती हैं और दूरगामी परिणाम लाती हैं। ज़ाहिर है, पुस्तक विमोचन समारोह, जहां भागवत ने सुझाव दिया कि 75 वर्ष की आयु के बाद लोगों को सार्वजनिक जीवन से दूर हो जाना चाहिए, का राजनीतिक महत्व बहुत ज़्यादा है। इस टिप्पणी के निहितार्थ ने ही भगवा समुदाय को अनिश्चितता के दलदल में धकेल दिया है। एक अधूरी यात्रा–2 दोनों संगठनों, आरएसएस और भाजपा, के नेता लगभग स्तब्ध हैं। वे भागवत की इस टिप्पणी का अर्थ समझने के लिए उत्सुक हैः पिंगले ने कहा था कि आपने मुझे 75 वर्ष की आयु में शॉल दिया था, लेकिन मैं इसका अर्थ जानता हूं। जब किसी को 75 साल की उम्र में सम्मानित किया जाता है, तो इसका मतलब होता हैः अब आपका समय पूरा हो गया है, अब आप हट जाइए और हमें काम करने दीजिए। भगवा नेताओं का मानना है कि वह यह टिप्पणी किसी और मौके पर कर सकते थे। उन्होंने 'मोरोपंत पिंगलेः हिंदू पुनरुत्थान के शिल्पी' पुस्तक के विमोचन को ही क्यों चुना? यह भगवा नेताओं को हैरान कर गया है। फिर भी, भागवत ने मोदी का नाम विशेष रूप से नहीं लिया, जो 17 सितंबर को 75 साल पूरे कर रहे हैं। हालांकि कुछ नेता यह मानने को तैयार नहीं हैं कि भागवत 11 सितंबर को पद छोड़ देंगे, लेकिन वरिष्ठ नेताओं के एक वर्ग का मानना है कि उनकी टिप्पणी इस बात का प्रमाण है कि उन्होंने पद छोड़ने का मन बना लिया है। अगर वह अंतिम निर्णय पर नहीं पहुंचते, तो वह सार्वजनिक रूप से अपनी बात नहीं रखते। उन्हें पूरा यकीन है कि भागवत उस दिन पद छोड़ देंगे, जब तक कि कोई असाधारण स्थिति न आ जाए। भागवत ने यह सुझाव नहीं दिया है। इससे पहले, आरएसएस प्रमुख केएस सुदर्शन ने 2005 में सार्वजनिक रूप से अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी, जो उस समय भाजपा के दो चेहरे थे, से युवा नेताओं के लिए रास्ता बनाने का अनुरोध किया था। इसने पार्टी के अंदर एक बहस छेड़ दी थी। संयोग से, प्रधानमंत्री बनने के बाद, मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी और अन्य वरिष्ठ नेताओं को संगठन से बाहर करने के लिए इसका इस्तेमाल किया। भगवा नेताओं को यकीन है कि 75 साल की उम्र में भागवत पद छोड़ देंगे ताकि मोदी पर उनके नक्शेकदम पर चलने का दबाव बनाया जा सके। संघ और भाजपा नेताओं का मानना था कि भागवत को खुद एक मिसाल कायम करनी चाहिए और शायद वह ऐसा करेंगे। कुछ वरिष्ठ आरएसएस नेताओं का मानना है कि उन्हें कुछ और समय इंतज़ार करना चाहिए। लोकसभा चुनाव 2029 में होने हैं। तब तक मोदी को अनुमति दी जा सकती है। उन्हें अपने 15 साल के कार्यकाल के बाद किसी अन्य नेता को प्रधानमंत्री पद का रास्ता देना चाहिए। अगर मोदी अभी भी बने रहना चाहते हैं, तो आरएसएस को उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर करना चाहिए। अब सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि भागवत इस कदम को कैसे देखते हैं, जिसे भाजपा नेतृत्व में व्यापक समर्थन मिला है। हालांकि, इस संघर्ष की प्रकृति और चरित्र और जिस तरह से इसे लड़ा जा रहा है, उस पर एक नज़र डालने से यह सच्चाई सामने आएगी कि वास्तविक कारण बिल्कुल अलग है और इसके गहरे सामाजिक निहितार्थ हैं। एक बात तो साफ़ दिखाई दे रही है। मोदी के वफ़ादार हर संभव कोशिश कर रहे हैं और इस धारणा को प्रचारित कर रहे हैं कि मोदी को सत्ता में बने रहना चाहिए। इसके विपरीत, आरएसएस का एक भी शीर्ष नेता उनके सुझावों का समर्थन करने के लिए सामने नहीं आया है।

लड़कियों के लिए सामाजिक व्यवस्था अब भी क्रूर और जजमेंटल

उत्तराखंड में नहीं समूचे उत्तर भारत की निम्न मध्य और मध्यम आय वर्गीय बेटियों की राह में काम करने की राह में कई चुनौतियां हैं। मेहनत कर के मुक़ाम पाने की राह में ये लड़कियां अपराधियों के हत्थे चढ़ जाती हैं। नतीजतन देश की आधी आबादी अब भी घर की चार दीवारी में ही सुरक्षा देखती है लेकिन स्वप्निल के मामले में तो उसका घर ही उसकी जान ले गया। चंडीगढ़ की वामिका हो या जयपुर की स्वप्निल– समाज और व्यवस्था अब भी इनके लिए बेहद क्रूर है। समाज इन्हें अपनी निगाहों से तौलता–परखता रहता है और कानून वह मंच नहीं दे पाता जहां वे निडर होकर अपनी फ़रियाद सुना सकें। व्यवस्था अक्सर पीड़िताओं के हक़ में होने से इंकार करती है। इसका नतीजा यह होता है कि एक के बाद एक कई लड़कियां और महिलाएं जुर्म का शिकार होती चली जाती हैं और फिर आधी आबादी की तरक्की के रास्ते रुक जाते हैं। परिवार उन्हें कैद रखने में ही अपना हित समझने लगते हैं। उनकी पूरी कोशिश केवल इतनी होती है कि लड़की मायके में सुरक्षित रहकर सीधे ससुराल में सुरक्षित पहुंच जाए। आंख फिर केवल तब खुलती है जब ससुराल से बेटी की असमय और संदिग्ध मौत की ख़बर उन्हें मिलती है। अब भी कई परिवार इसी सोच पर यकीन रखते हैं कि हमने तो डोली सजा दी, अब अर्थी भी वहीं से सज–धजकर निकले। अफ़सोस कि इस इतवार को जयपुर की स्वप्निल संदिग्ध हालात में मौत की नींद सो गई। व्यवस्था का हाल तो इस क़दर अस्त–व्यस्त है कि वह अपराधी को दंड तो दूर उलटे नवाज़ने की दिशा में बढ़ने लगती है। स्वप्निल से पहले चंडीगढ़ की वामिका कुंडू की बात, जिसके आरोपी विकास बराला को हरियाणा सरकार ने हाल ही में असिस्टेंट एडवोकेट जनरल बना दिया है। विकास फ़िलहाल ज़मानत पर बाहर है। यह अगस्त, 2017 की घटना है जब आरोपी ने चंडीगढ़ की सड़कों पर वामिका का पीछा किया। अपने एक साथी के साथ उसकी कार में घुसकर उसे अगुआ करने की कोशिश की लेकिन साहसी वामिका ने हिम्मत नहीं हारी। किसी तरह वह बचती–बचाती रही। चंडीगढ़ की सड़कों के सीसी टीवी फुटेज इस घटना के गवाह बने। खुद को बचाने के इस संघर्षपूर्ण साहस के लिए उन दिनों के स्थानीय और राष्ट्रीय अख़बार वामिका की तारीफ़ों से अटे हुए थे। अगस्त, 2017 में आरोपी को गिरफ़्तार कर जेल में डाल दिया गया था। वह क़ानून का विद्यार्थी था, उसे परीक्षा देने की अनुमति भी मिली लेकिन जनवरी, 2018 से वह ज़मानत पर बाहर आ गया जबकि उस पर चंडीगढ़ पुलिस ने धारा 354 डी (घूरने), 341 (ग़लत आचरण), 365 (अपहरण की कोशिश) और धारा 511 के तहत अपराध दर्ज़ किए हैं। यानी आरोपी अपराध तो करना चाहता था लेकिन किसी कारण से वह सफल न हो सका। विकास पर नशे में गाड़ी चलाने का भी इलज़ाम था। आईएएस अफ़सर हैं और आरोपी के यूं सरकारी सिस्टम का हिस्सा बनने के बाद उन्होंने कहा कि इस पर मेरी या वामिका की टिप्पणी की क्या ज़रूरत है? यह सरकार को देखना चाहिए कि वह ज़िम्मेदार पदों पर कैसे लोगों को नियुक्त कर रही है जबकि केस अब भी चल रहा है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। एक अंग्रेज़ी अख़बार से बातचीत में उन्होंने कहा कि–हमने न्याय व्यवस्था में गहरी आस्था के साथ इस केस को रखा था लेकिन सात साल हो गए, कुछ नहीं हुआ। गौर करना चाहिए कि आरोपी के पिता सुभाष बराला उस समय भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष (2014–2020) थे और अब इसी पार्टी से राज्यसभा के सांसद हैं। क्या यह समझना मुश्किल है कि हाई प्रोफाइल मामलों में देर क्यों होती है? जबकि ऐसे पदों से मिसाल पेश की जानी चाहिए ताकि लड़कियां बेख़ौफ़ होकर अपनी ज़िन्दगी और कैरियर की राह चुन सकें। संकेत साफ़ हैं कि एक आईएएस की बेटी के लिए भी न्याय का रास्ता काफ़ी टेढ़ी डगर से ही गुज़रता है। बरसों–बरस मामला खिंचता है और अपराधी सरकारी पद भी पा जाता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि उत्तराखंड की अंकिता भंडारी को ज़रूर न्याय मिला लेकिन वह अब दुनिया में नहीं है। अंकिता भी केवल 19 साल की थी और देहरादून के रिसॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट थी। उसकी हत्या रिसॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर कर दी थी। अंकिता का शव छह दिन बाद ऋ षिकेश की नहर से बरामद हुआ था। वह 18 सितंबर, 2022 से गायब थी। अंकिता के पिता सुरक्षा गार्ड थे और वह दस हज़ार रूपए की नौकरी से पिता की आर्थिक मदद करना चाहती थी। केवल उत्तराखंड में नहीं समूचे उत्तर भारत की निम्न मध्य और मध्यम आय वर्गीय बेटियों की राह में काम करने की राह में कई चुनौतियां हैं। मेहनत कर के मुक़ाम पाने की राह में ये लड़कियां अपराधियों के हत्थे चढ़ जाती हैं। नतीजतन देश की आधी आबादी अब भी घर की चार दीवारी में ही सुरक्षा देखती है लेकिन स्वप्निल के मामले में तो उसका घर ही उसकी जान ले गया। इस घटना के लिखने को एक 'कन्फेशन नोट' कहना ज़्यादा सही होगा क्योंकि अगर जो भीतर जाया जाता तो बहुत कुछ बचाया जा सकता था।

दो कदम पीछे

मॉनसून सत्र का पहला दिन हंगामे के नाम रहा और यह स्थिति तब हुई, जब सरकार कह रही है कि वह चर्चा के लिए तैयार है। सेशन शुरू होने के पहले सर्वदलीय बैठक में सरकार और विपक्ष के बीच जो सहमति बनती दिखी थी, वह अगले कुछ ही घंटों में गायब हो गई। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है। सर्वदलीय बैठकः यह पहले से ही तय था कि इस सेशन में पहलगाम, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दावों और बिहार में चल रही वोटर लिस्ट की समीक्षा को लेकर विपक्ष की सरकार को घेरने की कोशिश होगी। ये सारे मुद्दे अहम हैं और सरकार भी इस बात को मान रही है। इस लिहाज से सर्वदलीय बैठक सुखद रही थी, जहां दोनों पक्ष सदन में सार्थक बहस के लिए तैयार दिख रहे थे।

प्रक्रिया का मामलाः अब विपक्ष चाह रहा है कि सत्र की शुरुआत में ही चर्चा हो जाए और सरकार कह रही है कि पहले कार्य मंत्रणा समिति में उन विषयों को उठाया जाए, जिन पर बात होनी है – जो मुद्दे तय होंगे, सरकार उन पर चर्चा को राजी है। दोनों पक्ष यह दिखाना चाहते हैं कि उनकी तरफ से कोई गतिरोध नहीं। यह राजनीति की मांग होती है कि सरकार कमजोर नहीं दिख सकती और विपक्ष झुकना नहीं चाहता। लेकिन, इन मुद्दों की गंभीरता को देखते हुए राजनीतिक विरोध को एक तरफ रखने की जरूरत है।

जनता का अधिकारः सरकार और विपक्ष, दोनों को याद रखना चाहिए कि वे जिन सवालों को लेकर आमने–सामने हैं, उनका जवाब पूरा देश जानना चाहता है। सवाल भले विपक्ष के हों, पर उनके जवाबों पर पहला हक जनता का होगा। बेशक, सरकार ने पहले भी समय–समय पर बात रखी है, लेकिन पारदर्शी और विस्तृत ढंग से सारी चीजें तो बहस के बाद ही सामने आ पाती हैं। संसद में सरकार और विपक्ष की जवाबदेही तय होती है और इसे हंगामे की भेंट नहीं चढ़ाया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना दोनों की जिम्मेदारी है कि सत्र के आने वाले दिन सकारात्मक और सार्थक हों। सरकार का रुखः मॉनसून सत्र को पीएम नरेंद्र मोदी ने विजयोत्सव की तरह बताया है। उन्होंने जंग के मैदान में पाकिस्तान के खिलाफ, नक्सलियों के विरुद्ध देश के भीतर चल रही लड़ाई में और इकॉनमी के मोर्चे पर मिली सफलताओं का जिक्र किया। पीएम ने मौजूदा सत्र के लिए एक तरह से सरकार का रुख तय कर दिया कि इसी पर चर्चा आगे बढ़ेगी, लेकिन यह तभी हो सकता है, जब सरकार और विपक्ष के बीच एक कॉमन ग्राउंड बने। शोर–शराबे, नारेबाजी और वॉकआउट से तो सत्र विजयोत्सव नहीं बन पाएगा।

विन विन डील

भारत और ब्रिटेन के बीच आखिरकार फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो ही गया, जिसका फायदा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका और भी अहम हो जाती है।

व्यापार बढ़ेगाः भारत और ब्रिटेन के बीच पुराने व्यापारिक रिश्तों के बावजूद 2023–24 में केवल 21.34 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ था। अर्थव्यवस्था के आकार को देखते हुए यह आंकड़ा बहुत कम है। माना जा रहा है कि ट्रेड डील से सालाना व्यापार 34 बिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा। दोनों देश साल 2030 तक इसे 120 बिलियन डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचाना चाहते हैं।

संतुलन लाने में मददः इस समझौते को लेकर लंबे समय से बातचीत चल रही थी और हाल में इसमें तेजी आई। इसके पीछे एक वजह अमेरिका की टैरिफ नीतियां हैं। डॉनल्ड ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी ने पूरी दुनिया में अनिश्चितता बढ़ा दी है। ऐसे में इस तरह के द्विपक्षीय समझौते से दोनों देशों को इस अनिश्चितता को घटाने और व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मेड इन इंडियाः भारत के लिहाज से यह डील बेहद अहम है। इससे करीब 99 निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजों पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेंगी। डील से एक बड़ा फायदा होगा टेक्सटाइल्स, लेदर और इलेक्ट्रॉनिक्स को। इनसे मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। अभी ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.8 है, जबकि चीन की 28.8। इसी तरह, देश की ळक्प् में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 17 है और सरकार इसे 25 तक बढ़ाना चाहती है। इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा।

कृषि सेक्टर को फायदाः व्यापारिक समझौते के लिए इस समय भारत की बातचीत अमेरिका से भी चल रही है। वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा नहीं कर सकता। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

खाने पर 'खेल'

सावन के महीने में इस साल फिर नॉन–वेज फूड को लेकर विवाद सामने आया है। बिहार विधानसभा के सेंट्रल हॉल में सोमवार को खाने में नॉन–वेज भी परोसा गया, जिसे लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तलवारें खिंच गई हैं। इसी तरह, यूपी में ढाबों–भोजनालयों पर दुकान मालिकों की पहचान स्पष्ट करने का मामला सुप्रीम कोर्ट में उठा। यहां भी मूल में भोजन ही है। कोई क्या खाता है, क्या नहीं, यह पूरी तरह व्यक्तिगत मामला है और इस पर ऐसे विवाद से बचा जा सकता था।

व्यक्तिगत चुनावः खाने–पीने की पसंद किसी व्यक्ति की पहचान और उसकी संस्कृति का हिस्सा होती है। भारत में जैसी विविधता है, वैसे ही यहां के खाने में भी है। इसलिए किसी को क्या खाना चाहिए, इसकी पुलिसिंग नहीं की जानी चाहिए। फिर ऐसी कोई कोशिश संविधान के उस अनुच्छेद 21 का उल्लंघन होगी, जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की गारंटी देता है। भोजन और पहनावा भी इसी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा है।

राजनीतिक विवादः हालांकि इसके बाद भी सावन में पिछले कुछ वर्षों से नॉन–वेज फूड को लेकर विवाद खड़े होते रहे हैं। देखा जाए तो ज्यादातर के मूल में राजनीति होती है। बिहार में दो साल पहले भी सावन पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी के घर जाकर मटन पकाना मुद्दा बन गया था। कुछ दिनों पहले, जब प्रशांत किशोर की पार्टी में बिरयानी बंटी, तब भी हंगामा हुआ और सफाई देनी पड़ी कि यह तो वेज थी!

आशिक को न आया रहम

रात में घुस गया पूर्व प्रेमिका के घर...

फिर मच गई चीख–पुकार, महिला को खून–खून देख सब सन्न

गोरखपुर,संवाददाता। आरोपी के पास से एक तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, यह घटना पुराने रिश्ते के टूटने और निजी विवाद का नतीजा हो सकती है। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के गीडा थाना क्षेत्र के पिपरौली में गुरुवार की एक घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। पुराने प्रेमी ने तेनुवा गांव निवासी महिला का गला रेत दिया। गंभीर हालत में उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं, देर रात पुलिस ने मुठभेड़ में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, महिला की शादी एक साल पहले हुई थी। आरोपी भोलू उर्फ अरुण भी उसी गांव का रहने वाला है। बृहस्पतिवार की रात उसने महिला के घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। गीडा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भोलू को मुठभेड़ में दबोच लिया, जिसमें उसके दाएं पैर में गोली लगी। मुक्तिधाम से गीडा की तरफ जाते समय पुलिस ने उसको रोकने की कोशिश की जिसमें उसने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया। मुठभेड़ की कमान चौकी प्रभारी पिपरौली संतोष सिंह ने संभाली। उसके पास से एक तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, यह घटना पुराने रिश्ते के टूटने और निजी विवाद का नतीजा हो सकती है। एसपी नॉर्थ जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सीएम योगी ने कहा– जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों पर तेजी से हो सड़कों का निर्माण

गोरखपुर,संवाददाता। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने इंटरस्टेट कनेक्टिविटी और फोरलेन कनेक्टिविटी की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इसका लाभ गोरखपुर–बस्ती मंडल को भी मिल रहा है। उन्होंने सड़क कनेक्टिविटी को लगातार सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि सड़कों को लेकर जनप्रतिनिधियों से मिले प्रस्तावों को लोक निर्माण विभाग गंभीरता से ले।

जनप्रतिनिधियों (सांसदों–विधायकों) और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखपुर और बस्ती मंडल के सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए आगामी परियोजनाओं/प्रस्तावों की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने दोनों मंडलों से आए जनप्रतिनिधियों से विधानसभावार उनके क्षेत्र की सड़क आवश्यकताओं को लेकर चर्चा की।

सीएम योगी ने ली समीक्षा बैठक

साथ ही कहा कि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान हेतु और क्षेत्रीय जन आकांक्षा के अनुरूप नई सड़क परियोजनाओं का प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराएं। इन प्रस्तावों पर प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्यवाही होगी।

एनेक्सी भवन सभागार में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने सबसे पहले गोरखपुर–बस्ती मंडल के सभी विधानसभा क्षेत्रों में आगामी सड़क निर्माण परियोजनाओं, प्रस्तावों का डिजिटल प्रेजेंटेशन देखा। लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने आगामी प्रस्तावों से अवगत कराया।

हर विधानसभा क्षेत्र में सड़कों की भावी परियोजनाओं का हाल जानने के बाद मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से उनके क्षेत्र में सड़कों की भावी आवश्यकता की कार्ययोजना पर चर्चा की और लोक निर्माण विभाग के अफसरों को उसके अनुरूप निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने इंटरस्टेट कनेक्टिविटी और फोरलेन कनेक्टिविटी की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। इसका लाभ गोरखपुर–बस्ती मंडल को भी मिल रहा है। उन्होंने सड़क कनेक्टिविटी को लगातार सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि सड़कों को लेकर जनप्रतिनिधियों से मिले प्रस्तावों को लोक निर्माण विभाग गंभीरता से ले।

जितने भी प्रस्ताव आएं, उनमें से प्राथमिकता का निर्धारण जनप्रतिनिधियों की सहमति से हो। जनप्रतिनिधि जिन सड़कों को प्राथमिकता दें, सबसे पहले उनका इस्टीमेट बनाएं और शिलान्यास कराकर निर्माण कार्य शुरू हो। इसके बाद अन्य सड़कों को भी चरणवार बनाया जाए। उन सड़कों को सबसे पहले प्राथमिकता दी जाए, जो बड़ी आबादी को लाभान्वित करने वाले हों।

उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्र की सड़कों को सीएम ग्रिड योजना में शामिल कर विकसित किया जाए। सीएम ने इस दौरान सड़क निर्माण परियोजनाओं को तय समय सीमा में पूरा करने और गुणवत्ता में कोई भी समझौता न करने के निर्देश दिए। कहा कि जनप्रतिनिधि अपने अपने क्षेत्र की सड़कों के निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग करते रहें ताकि गुणवत्तापूर्ण कार्य तेजी से होता रहे। गुणवत्ता पर प्रश्न नहीं उठना चाहिए।

बैठक के दौरान कुछ जनप्रतिनिधियों ने बाढ़ के समय कुछ सड़कों के क्षतिग्रस्त होने का मुद्दा उठाया। इस पर मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग के अफसरों से कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने इसके लिए जरूरत पड़ने पर आपदा राहत निधि का भी इस्तेमाल करने के निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित पर्यटन विभाग के भी वरिष्ठ अधिकारियों ने विधानसभा क्षेत्र स्तर पर धार्मिक स्थलों पर हो रहे पर्यटन विकास कार्यों की जानकारी दी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जितने भी मंदिरों, धार्मिक स्थलों का पर्यटन विकास हुआ है और हो रहा है, उन्हें प्रमुख मार्गों से जोड़ने के लिए लोक निर्माण विभाग तत्परता से कार्य करे। इसके लिए कोई जनप्रतिनिधि प्रस्ताव दे, तो उसका इस्टीमेट शीघ्रता से बनाकर कार्य शुरू कराया जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर और बस्ती मंडल विकास की नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहे हैं। कहा कि विकास एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है और जनप्रतिनिधि अपने–अपने क्षेत्र में होने वाले विकास के ब्रांड एंबेसडर हैं। जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे जनता के बीच रहकर विकास कार्यों की चर्चा करें, विकास को लेकर उनकी और आकांक्षाओं को जाने तथा उसके अनुरूप प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराएं।

सीएम योगी ने कहा कि लोगों की सुविधा, सुरक्षा और समृद्धि सरकार की नीतियों के मूल में है इसलिए जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र में संचालित विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करते रहें। यह योजनाएं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की छवि निर्माण में सहायक हैं। कहीं किसी विकास कार्य में अड़चन आने पर जनप्रतिनिधि अधिकारियों के साथ मिलकर उसे दूर कराएं। बैठक में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, गोरखपुर के सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव समेत गोरखपुर और बस्ती मंडल के जनप्रतिनिधि, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग अजय चौहान, प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम, विभागाध्यक्ष लोक निर्माण विभाग अशोक द्विवेदी उपस्थित रहे।

गोरखपुर में सीएम योगी ने सुनी फरियाद

अधिकारियों को दिए निर्देश–, जन समस्याओं के निराकरण में न हो तनिक भी लापरवाही

संवाददाता, गोरखपुर। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता और तत्परता से समस्याओं का समाधान करने का निर्देश दिया। सीएम ने कहा कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है और किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी।

गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह लगातार दूसरे दिन जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की और आश्वस्त किया कि सरकार जनता की हर समस्या का प्रभावी समाधान कराएगी। सीएम ने ध्यान से सबकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निस्तारण संवेदनशीलता और तत्परता से किया जाए। इसमें तनिक भी लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं को सुनते सीएम योगी।

उन्होंने कहा कि हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।

गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है।

सीएम ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ पहुंचीं थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन बच्चों को प्यार–दुलार करते हुए चॉकलेट और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

यूपी में टला बड़ा हादसा

एसएसबी के 30 जवानों से भरी बस गड्ढे में गिर पलटी, नेपाल बार्डर से जा रही थी गोरखपुर

गोरखपुर,संवाददाता। जानकारी के मुताबिक एसएसबी जवानों की एक बस भारत नेपाल बॉर्डर के सोनौली सरहद से 30 जवानों को लेकर गोरखपुर जा रही थी। गोरखपुर सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मनिकौरा स्थित एक पेट्रोल पम्प के पास गुरुवार को उस वक्त अचानक सड़क जाम हो गई। जब एसएसबी के 30 जवानों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। गनीमत रहा कि बस की रफ्तार धीमी होने के चलते कोई हताहत नहीं हुआ। वही मौके पर जुटे लोगों और पुलिस के मदद से बस में सवार एसएसबी जवानों को बस से बाहर निकाला गया। फिर बस को सीधा करने के लिए पीएनसी की क्रेन की ली गई। जानकारी के मुताबिक एसएसबी जवानों की एक बस भारत नेपाल बॉर्डर के सोनौली सरहद से 30 जवानों को लेकर गोरखपुर जा रही थी। अभी जवानों से भरी बस गोरखपुर सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित मनिकौरा स्थित एक पेट्रोल पम्प के पास पहुंची थी। इसी बीच सड़क पर रखी गई मिट्टी के चलते बस का पहिया फिसल गया। फिर जवानों से भरी बस गड्ढे में जाकर पलट गई। वहीं बस के पलटने के बाद मौके पर आस पास के लोग भी भीड़ जुट गई। वही कुछ ही देर बाद मौके पर पुलिस भी आ पहुंची। पुलिस हादसे की जानकारी उच्चाधिकारी के साथ ही एसएसबी को देते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई। फिर मौके पर एम्बुलेंस और अधिकारी भी आ पहुंचे। वहीं, पीएनसी की क्रेन की मदद से बस को सीधा कर गड्ढे से बाहर निकाली गई।

गोरखपुर में पूर्व प्रेमी ने रेता महिला का गला, पुलिस ने मुठभेड़ में दबोचा

संवाददाता, गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र में गुरुवार रात उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक शादीशुदा युवक ने अपनी पूर्व प्रेमिका के घर में घुसकर उस पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। हमले के बाद भाग रहे युवक को शुक्रवार की भोर में गीडा थाना पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में आरोपित के पैर में गोली लग गई, उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गीडा क्षेत्र के रहने वाले अरुण यादव उर्फ भोलू की एक साल पहले शादी हो चुकी है। लेकिन पूर्व प्रेमिका से उसका लगाव बना रहा।

ये कांवड़िये नहीं गुंडे हैं...

स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर बवाल हिन्दूवादी संगठन ने घर पहुंचे

लखनऊ,संवाददाता। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के लखनऊ स्थित घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने कांवड़ियों पर दिए गए उनके बयान पर नाराजगी जताते हुए उनके घर का "जलाभिषेक" करने की चेतावनी दी थी। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी और पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के कांवड़ियों पर दिए बयान पर बवाल मच गया है। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने उनके बयान पर आपत्ति दर्ज कराई और उनके लखनऊ स्थित घर का "जलाभिषेक" करने की बात कही है। इसे देखते हुए बृहस्पतिवार को स्वामी प्रसाद के घर के बाहर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए गए हैं।

वहीं, सुबह विश्व हिंदू रक्षा परिषद के कई नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के घर के बाहर हंगामा करने पहुंच गए। हालांकि, यहां पर पहले से ही पुलिसकर्मी तैनात हैं। स्वामी प्रसाद

मौर्य ने बयान दिया था कि भगवान शिव को इतने भोले हैं कि उन्हें भोलेबाबा कहा जाता है और ये कांवड़िये उनके नाम पर तोड़फोड़ और उपद्रव कर रहे हैं। ये कांवड़िये नहीं बल्कि सत्ता संरक्षित गुंडे हैं। सरकार को इनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसे लोगों के पोस्टर लगाए जाएंगे। स्वामी ने कहा कि कांवड़ियों के कारनामों की सारी रिकॉर्डिंग है। उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए लेकिन नहीं की जा रही है क्योंकि ये कांवड़िये नहीं सत्ता संरक्षित गुंडे हैं। उनके इस बयान पर बवाल मच गया है।

'पांच वक्त की नमाज... धर्मांतरण से जुड़े साहित्य'

पूरे दिन था सिर्फ ये काम, एक और आयशा बनने से बचीं बहनें

आगरा,संवाददाता। धर्मांतरण केस में बड़ा खुलासा हुआ है। सगी बहनें धर्मांतरण से जुड़े वीडियो देख रहीं थीं। पूरे दिन सिर्फ साहित्य पढ़ती रहती थीं। दोनों बहनों के दिमाग पर गहरा असर पड़ा है। कोलकाता से पुलिस ने खोज निकाला। धर्मांतरण गिरोह में फंसी सदर क्षेत्र की सगी बहनों को आयशा की तरह बनाने की तैयारी थी। उन्हें गिरोह के सदस्य अपने धर्म से जुड़े वीडियो भेजते थे। कोलकाता में दोनों बहनें इन्हीं वीडियो को पूरे दिन देखा करती थीं। उनके दिमाग पर इसका गहरा असर पड़ रहा था। तभी पुलिस के सामने वो पकड़े गए अन्य लोगों को छोड़ने की शर्त रख रही थीं। पुलिस की पूछताछ के बाद यह सच सामने आया। सदर क्षेत्र की पंजाबी परिवार की बड़ी बेटी एमफिल किए है। वहीं छोटी बहन पढ़ाई कर रही है। दोनों धर्मांतरण गिरोह के जाल में फंस गई थीं। उन्हें तीन महीने बाद पुलिस ने कोलकाता से खोज निकाला। शनिवार से ही उनसे पूछताछ की जा रही है। अलग–अलग टीमों को लगाया गया है। पहले वो शर्त रख रही थीं कि पकड़े गए 10 लोगों को छोड़ जाए।

तभी वो घर जाएंगी। उनका कोई कसूर नहीं है। पुलिस ने उन्हें समझाया कि वह धर्मांतरण करा रहे थे। युवतियों को गिरोह ने फंसा रखा था। इसके बावजूद वह मानने को तैयार नहीं थीं। बाद में उनकी मुलाकात परिजन से कराई गई। उन्हें गिरोह के बारे में भी जानकारी दी। तब वो बोलने के लिए तैयार हुईं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दोनों घर से निकलने के बाद दिल्ली पहुंची थीं। जहां वो धर्म परिवर्तन कराने के लिए एक कार्यालय में गईं। मगर कार्यालय में मना कर दिया गया। बाद में वो धर्मस्थल पहुंची, जहां से दोनों को मदरसे में भेजा गया। यहां पर जोया नाम की युवती मिली।

वह उनकी मदद कर रही थी। अपने धर्म के बारे में बता रही थी। उसने उन्हें 3 दिन तक रखवाया। इस दौरान 10 हजार रुपये की मदद भी की। इसके बाद वो बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल गईं। उनकी मुलाकात रीत बनिक से हुई। उसने उन्हें कमरा दिया। दोनों को खाने–पीने का इंतजाम कराया। कमरा मुस्लिम बस्ती में ही था। दोनों बहनें अपने साथ कुछ रुपये और गहने लेकर गई थीं। इससे वह अपना खर्च भी कर रही थीं।

पूरे दिन धर्म परिवर्तन से जुड़े देखा करती थीं वीडियो

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि दोनों पूरे दिन कोई काम नहीं करती थी। पांच वक्त की नमाज अदा करती थीं। इसके बाद दोनों पूरे दिन धर्म परिवर्तन से जुड़े वीडियो देखा करती थीं। इसमें जाकिर नाइक के वीडियो भी शामिल थे। इसके बाद खुद भी इस बारे में लिखने की सोच रही थीं। पहले आयशा भी पढ़ने के दौरान दिल्ली में कश्मीरी युवती के संपर्क में आई थी। इसके बाद धर्मांतरण गिरोह से जुड़ गई। अब वो धर्म परिवर्तन के लिए युवतियों को तैयार करवाती थी। वह अब्दुल रहमान के संपर्क में थी।

आयशा की तरह काम करना चाहती थीं बहनें

दोनों सगी बहनें भी जिस तरह से वीडियो और साहित्य पढ़ रही थीं, उससे पुलिस को यही लग रहा है कि वह भी आयशा की तरह काम करना चाहती थीं। वह विदेश में मुस्लिम युवतियों के मस्जिद में जाकर नमाज पढ़ने तक की बातें करने लगी थीं।

आधी रात को प्रेमिका से मिलने गया प्रेमी

ड्रोन वाला चोर समझ ग्रामीणों ने पीटा, दो घंटे तक हुआ ड्रामा

बरेली में इन दिनों ड्रोन की दहशत है। सिरौली कस्बे के एक मोहल्ला में मंगलवार रात को एक युवक अपनी प्रेमिका के कहने पर उसके घर मिलने पहुंच गया। इस बीच, मोहल्ले के लोगों ने ड्रोन वाला चोर समझकर उसको दबोच लिया और जमकर कूटा।

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में इन दिनों रात में उड़ने वाले ड्रोन की दहशत फैली हुई है। इस दहशत के बीच बरेली जिले के सिरौली कस्बा से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कस्बे के एक मोहल्ला में मंगलवार रात दो बजे उस समय बखेड़ा खड़ा हो गया, जब एक युवक अपनी प्रेमिका के कहने पर उसके घर आधी रात को मिलने पहुंच गया। वहां पहुंचकर वह ऐसा फंसा कि उसकी जान पर बन आई।

दरअसल, मोहल्ले के लोगों ने ड्रोन वाला चोर समझकर उसको दबोच लिया। ड्रोन चोर का शोर मचा तो मौके पर भीड़ जुट गई। लोगों ने लाठी–डंडों से युवक की पिटाई कर दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस भीड़ से युवक को बचाकर थाने ले आई।

ड्रोन चोरों के डर से उड़ी लोगों की नींद

यहां बता दें कि इलाके में इस समय ड्रोन चोरों के डर से लोगों की नींद उड़ी हुई है। मंगलवार रात कस्बे के मोहल्ला की एक युवती ने अपने प्रेमी को मिलने के लिए घर बुला लिया, लेकिन ड्रोन चोर की दहशत से मोहल्ले के लोग जाग रहे थे।

युवक को देखकर मचाया ड्रोन चोर का शोर

वह किसी तरह छिपकर प्रेमिका के घर पहुंच गया, लेकिन वहां से निकलते समय उसकी शामत आ गई। युवक को मोहल्ले के लोगों ने देख लिया और ड्रोन चोर होने का शोर मचा दिया। यह देख युवक के होश उड़ गए। उसने भागने का प्रयास किया, लेकिन नाकाम रहा।

छोड़ने की गुहार लगाता रहा युवक

लोगों ने एकत्र होकर उसे दबोच लिया। लाठी–डंडे से उसे पीटने लगे। युवक हाथ जोड़कर रहम करने की गुहार लगाता रहा, लेकिन लोग उसे चोर बताकर पीटते रहे। किसी ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी।

दो घंटे तक चला ड्रामा

सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को बचा लिया। इसको लेकर करीब दो घंटे तक ड्रामा चलता रहा। हालांकि दोनों ही पक्षों में समझौता हो गया है। कोतवाल जगत सिंह ने बताया कि तहरीर नहीं मिली है। युवक को छोड़ दिया गया है।

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव का दावा

18 महीने में छह करोड़ श्रद्धालुओं ने किए रामलला के दर्शन

लखनऊ,संवाददाता। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने दावा किया है कि बीते 18 महीने में छह करोड़ लोगों ने रामलला के दर्शन किए हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के अंत तक राम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। मणिराम दास की छावनी में संचालित श्रीराम कथा महोत्सव में पहुंचे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण इसी साल के अंत तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने कथा श्रोताओं को मंदिर आंदोलन से लेकर मंदिर निर्माण तक की पूरी कहानी बताई।

गोरखपुर–लखनऊ हाईवे सिक्सलेन किया जाए

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर सांसद अवधेश ने की मांग

लखनऊ,संवाददाता। अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और जिले में सड़कों का जाल बिछाने की मांग की। उन्होंने ढेमवा पुल की सड़क दोबारा बनाने की मांग की। सांसद अवधेश प्रसाद ने दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात करके जिले में सड़कों का जाल बिछाने के लिए प्रस्ताव दिया है। इसमें गोरखपुर–लखनऊ हाईवे को छह लेन बनाने समेत – अन्य मार्ग शामिल हैं। सांसद ने केंद्रीय मंत्री को दिए ज्ञापन में मांग की है कि लखनऊ से फैजाबाद होते हुए गोरखपुर तक जाने वाले हाईवे पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसलिए इस मार्ग को सिक्स लेन किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा उन्होंने रायबरेली अयोध्या से प्रभात नगर से शाहगंज हैरिंग्टनगंज होते हुए अलीगंज तक, मिल्कीपुर, अमानीगंज से रुदौली होते हुए भेलसर हाईवे तक फोरलेन, मिल्कीपुर पेट्रोल पंप से हैरिंग्टनगंज, खजुरहट, इलाहाबाद–अयोध्या तक फोरलेन, थाना रौनाही से ड्योढ़ी, घोड़वल इमामगंज तक टूलेन, रायबरेली–अयोध्या राजमार्ग से सुचित्तागंज बाजार, नवाबगंज तक फोरलेन बनाने की मांग की गई है। वहीं, जर्जर हो चुकी ढेमवा पुल की सड़क दोबारा बनाने, सुल्तानपुर से अयोध्या राजमार्ग को फोरलेन सड़क निर्माण कार्य योजना में शामिल करने, सुल्तानपुर–अयोध्या हाईवे से मसौधा शुगर मिल के बगल से जाने वाली सड़क को फोरलेन बनाने की मांग की गई है। सांसद अवधेश प्रसाद ने बताया कि केंद्रीय मंत्री ने सभी सड़कों का निर्माण करवाने का आश्वासन दिया है।

रडार से गायब, घने जंगल में क्रैश...रूसी विमान हादसे में सभी 50 लोगों के मौत की आशंका, क्या थी वजह?

नई दिल्ली,एजेंसी। रूस के सुदूर पूर्वी अमूर क्षेत्र में गुरुवार को एक बड़ा हादसा हो गया। एक एंटोनोव एएन–24 यात्री विमान क्रैश हो गया। इस विमान में करीब 50 लोग सवार थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा। रूसी आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि विमान का मलबा जंगल में जलता हुआ मिला। हेलीकॉप्टर से ली गई तस्वीरों में विमान का अगला सिरा आग की लपटों में घिरा दिखाई दिया। बचाव दल घटनास्थल की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन हालात बेहद मुश्किल हैं। विमान साइबेरिया की एअरलाइन अंगारा का था। ये विमाव ब्लागोवेशचेंस्क से टायंडा जा रहा था। यह विमान 1976 में बना था और सोवियत जमाने का था। टायंडा के पास पहुंचते ही यह विमान रडार से गायब हो गया था। हादसे की वजह खराब मौसम और चालक दल की गलती को माना जा रहा है। रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस के मुताबिक, खराब विजिबिलिटी के बीच लैंडिंग के दौरान चालक दल से चूक हुई, जिसके चलते यह हादसा हुआ। विमान का मलबा टायंडा से 15 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी पर मिला।

यूपी में पांच लाख से अधिक लोगों की रोक दी जाएगी किसान सम्मान निधि

गोरखपुर,संवाददाता। किसान सम्मान निधि योजना में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है जिसमें बड़ी संख्या में पति–पत्नी दोनों योजना का लाभ उठा रहे थे। सत्यापन के बाद उनकी अगली किस्तें बंद कर दी जाएंगी। प्रदेश में प्रतापगढ़ और मंडल में बरेली इस मामले में सबसे आगे हैं। ऐसे अपात्र राशन कार्ड भी निरस्त किए गए हैं। अजयवीर सिंह, शाहजहांपुर। किसान सम्मान निधि का लाभ लेने में किसानों का फर्जीवाड़ा सामने आया है। बड़ी संख्या में पति–पत्नी दोनों योजना का लाभ ले रहे थे। सत्यापन में सच्चाई सामने आने पर इनकी आगे की किस्त को बंद किया जाएगा। प्रदेश में प्रतापगढ़ इस मामले में सबसे आगे हैं। जबकि मंडल में बरेली पहले व शाहजहांपुर दूसरे स्थान पर हैं।

जिले में चार लाख 15 हजार 624 किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ दिया जा रहा है। यह लाभ नियमानुसार पति–पत्नी में किसी एक व्यक्ति को मिलेगा, लेकिन प्रदेश में पांच लाख 53 हजार 749 ऐसे दंपती हैं

राशन कार्डों को जब आधार व बैंक से जोड़ गया तो कृषि विभाग को शासन स्तर से इसकी सूची उपलब्ध कराई गई। प्रतापगढ़ इस मामले में प्रदेश में सबसे आगे हैं। वहां 37 हजार 233 दंपती इस योजना का लाभ ले रहे थे। जबकि दूसरे नंबर पर प्रयागराज है। वहां 29 हजार 358 जबकि तीसरे नंबर पर सीतापुर हैं जहां 18 हजार 862 जबकि चौथे नंबर पर संभल हैं।

जो दोनों ही इस योजना का लाभ ले रहे थे।

राशन कार्डों को जब आधार व बैंक से जोड़ गया तो कृषि विभाग को शासन स्तर से इसकी सूची उपलब्ध कराई गई। प्रतापगढ़ इस मामले में प्रदेश में सबसे आगे हैं। वहां 37 हजार 233 दंपती इस योजना का लाभ ले रहे थे। जबकि दूसरे नंबर पर प्रयागराज है। वहां 29 हजार 358 जबकि तीसरे नंबर पर सीतापुर हैं जहां 18 हजार 862 जबकि चौथे नंबर पर संभल हैं। वहां 18 हजार 413 पति–पत्नी नियम विरुद्ध योजना का लाभ ले रहे थे।

मंडल की यदि बात करें तो शाहजहांपुर में 10 हजार 900, बरेली में 12 हजार 430 ऐसे मामले सामने आए हैं। बदायूं में 10 हजार 420 जबकि पीलीभीत में छह हजार 947 दंपतियों की सूची भेजी गई। ऐसे में अगली किस्त से इन लोगों के खातों में किस्त नहीं भेजी जाएगी। विभाग नियमानुसार रिकवरी करेगा।

इस तरह होगी रिकवरी

सम्मान निधि की अब तक 19 किस्त लाभार्थी के खातों में पहुंच चुकी हैं। जिन किसानों को शुरू से इसका लाभ मिल रहा है, उन्हें अब तक 38 हजार रुपये मिल चुके हैं।

पति–पत्नी दोनों को यदि 19–19 किस्त मिल चुकी हैं तो आगे की 19 किस्तों को नहीं भेजा जाएगा। ताकि रिकवरी की जा सके। रिकवरी पूरी होने के बाद पति या पत्नी में किसी एक को नियमानुसार लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

गाजियाबाद में सबसे कम मिले दंपती

किसान सम्मान निधि का लाभ लेने वाले दंपती गाजियाबाद में सबसे कम 449 मिले हैं। जबकि इसके बाद नोएडा हैं जहां 524 दंपती इस योजना का लाभ ले रहे थे।

आधार से मिले साढ़े तीन हजार अपात्र राशन

एक वर्ष में साढ़े तीन हजार ऐसे राशन कार्ड निरस्त किए गए हैं जो सरकारी नौकरी या फिर व्यापारी व अन्य कारोबार से जुड़े थे। इसके बाद कई अन्य गड़बड़ी भी सामने आ चुकी हैं।

आरओ प्लांट कर्मचारी को दिन दहाड़े गोली मारी

देवरिया,संवाददाता। घायल अमरेश को उसके परिजनों ने तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत अब स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमा हरकत में आ गई। जिले में बृहस्पतिवार की सुबह दिनदहाड़े एक युवक को गोली मारे जाने से हड़कंप मच गया।

घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम लंगड़ी देवरिया की है, जहां खुशी आरओ प्लांट पर कार्यरत 25 वर्षीय अमरेश कुशवाहा उर्फ छोटू को अज्ञात बदमाशों ने कहासुनी के बाद बाएं पैर में गोली मार दी। घायल अमरेश को उसके परिजनों ने तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत अब स्थिर है और वह खतरे से बाहर है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमा हरकत में आ गई। 112 सेवा के माध्यम से सूचना प्राप्त होते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया। क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की बारीकी से जांच की।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गोलीकांड के पीछे किसी आपसी विवाद या पुरानी रंजिश की आशंका है। फिलहाल अज्ञात हमलावरों की तलाश की जा रही है।

घायल अमरेश के भाई की तहरीर पर केस दर्ज कर ली गई है।

यूपी के इस जिले में बिजली के लिए हाहाकार, टूटा 1.32 लाख वोल्ट का तार

गोरखपुर में गर्मी से बिजली संकट गहराया , तार टूटने से कई इलाकों में अंधेरा ,बिजली कटौती से जनता परेशान

संवाददाता, गोरखपुर। गर्मी बढ़ते ही बिजली व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। महानगर में घंटों बिजली कटौती हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आने–जाने का कोई समय नहीं रह गया है। मंगलवार रात 10 बजे चौरी चौरा खंड क्षेत्र के गहिरा में 132 केवी (एक लाख 32 हजार वोल्ट) की लाइन का तार टूट गया। इस कारण नइयापार, पलिपा, राजधानी, मोतीराम अड्डा और चौरी चौरा उपकेंद्रों की आपूर्ति ठप हो गई। यह लाइन चार सौ केवी पारेषण उपकेंद्र मोतीराम अड्डा से 132 केवी पारेषण उपकेंद्र शत्रुघ्नपुर जाती है। पारेषण के अभियंताओं ने आनन–फानन देवरिया से बिजली लेकर शत्रुघ्नपुर पारेषण उपकेंद्र को बिजली दी। बुधवार सुबह तार जोड़कर आपूर्ति सामान्य की गई। राप्तीनगर क्षेत्र की आपूर्ति ठप हो गई। इसके साथ ही मेडिकल कालेज रोड के किनारे के मोहल्लों की आपूर्ति पर भी असर पड़ा। देर रात आपूर्ति बहाल हो सकी। उमस भरी गर्मी में उपभोक्ता परेशान रहे। बिजली न होने से पानी का संकट खड़ा हो गया। शाहपुर उपकेंद्र से जुड़े अशोक नगर क्षेत्र में रात में केबल जल गया।

रात में किसी तरह वैकल्पिक व्यवस्था कर आपूर्ति बहाल की गई। बुधवार दोपहर केबल बदलने के लिए घंटों बिजली काटी गई। इससे उपभोक्ताओं का बुरा हाल रहा। रुस्तमपुर उपकेंद्र से जुड़े राजीव नगर फीडर क्षेत्र में आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। यहां बिजली की आवाजाही से उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। बुधवार को रुस्तमपुर उपकेंद्र

गोरखपुर में गर्मी बढ़ने के साथ बिजली संकट गहरा गया है। राप्तीनगर रुस्तमपुर और शाहपुर समेत कई इलाकों में बिजली कटौती से लोग परेशान हैं। मंगलवार रात चौरी चौरा में तार टूटने से कई उपकेंद्रों की आपूर्ति ठप हो गई जिसे देवरिया से बिजली लेकर बहाल किया गया। शाहपुर और रुस्तमपुर में भी बिजली की समस्या बनी हुई है जिससे जनता में नाराजगी है।

में खराबी आने के कारण काफी देर तक पूरे इलाके की आपूर्ति ठप रही।

पारेषण के अधिशासी अभियंता एके यादव ने बताया कि रात 10 बजे तार टूटने की जानकारी मिलते ही टीम के साथ सभी मौके पर पहुंच गए। जिस तरह तार टूटा था वहां से एक लाइन मोहद्दीपुर पारेषण उपकेंद्र को भी जाती है। इस कारण रात में इस लाइन पर काम नहीं किया गया। देवरिया से बिजली लेकर तत्काल आपूर्ति बहाल करा दी गई। बुधवार को तार ठीक करा दिया गया।

पीएसी में बिजली कटौती भी नाराजगी का कारण

शाहपुर उपकेंद्र से पीएसी फीडर को आपूर्ति दी जाती है। मंगलवार रात गड़बड़ी के कारण काफी देर तक आपूर्ति ठप रही। बिजली कटौती भी रिक्रूट की नाराजगी का बड़ा कारण बताई जा रही है। बिछिया क्षेत्र में मांग बढ़ते से बिजली व्यवस्था पटरी से उतर जा रही है। कहीं केबल जल रहे हैं तो कहीं ट्रांसफार्मर में खराबी आ जा रही है। इलाके के उपभोक्ता कटौती से परेशान हैं। मोहद्दीपुर में एक घंटे आपूर्ति ठप रही।

वंदेभारत के जाने के बाद शुरू हुआ काम

गहिरा में 132 केवी के टूटे तार को जोड़ने के लिए बुधवार सुबह वंदेभारत ट्रेन के लखनऊ रवाना होने का इंतजार किया गया। दरअसल, वंदेभारत ट्रेन जब स्टार्ट होती है तो बिजली की मांग 220 एम्पियर तक पहुंच जाती है। इसे ऐसे समझें कि यदि 220 एम्पियर मांग लगातार एक घंटे तक बनी रहे तो बिजली की खपत तकरीबन दो सौ मेगावाट तक हो जाती है। सामान्य दिनों में पूरे शहर को एक दिन में इतनी बिजली की जरूरत होती है। हालांकि इंजन स्टार्ट होने के बाद मांग तेजी से कम होती है। रेलवे को मोहद्दीपुर पारेषण उपकेंद्र से बिजली दी जाती है इसलिए रात में उपकेंद्र को नहीं बंद किया गया।

सिद्धार्थनगर में धर्मांतरण मामले में शब्बीर अहमद गिरफ्तार इस्लाम कबूल करने पर 20 लाख रुपये का दिया था लालच

सिद्धार्थनगर,संवाददाता। आरोप में लगाया था कि वर्ष 2020–21 में अलफारूक इंटर कॉलेज अमौना में लिपिक के खाली पद पर नियुक्ति हेतु वहां के प्रबंधक मौलाना शब्बीर अहमद से मिला। उन्होंने 15 हजार रुपये प्रतिमाह देने व 10:00 से चार बजे तक आने की बात बताते हुए दूसरे दिन से आने के लिए कहा। धर्मांतरण के मामले में आरोपी इटवा थाने के अलफारूक इंटर कॉलेज अमौना के प्रबंधक शब्बीर अहमद को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे 15 दिन की रिमांड पर भेज दिया गया। इटवा थाने के शाहपुर निवासी अखंड प्रताप सिंह ने स्कूल प्रबंधक पर रुपये का लालच देने सहित इस्लाम धर्म ग्रहण करने का दबाव देने का आरोप लगाया था। शाहपुर निवासी अखंड प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री समेत अन्य अधिकारियों को पत्र भेज कर कार्रवाई की मांग की थी। इसमें आरोप में लगाया था कि वर्ष 2020–21 में अलफारूक इंटर कॉलेज अमौना में लिपिक के खाली पद पर नियुक्ति हेतु वहां के प्रबंधक मौलाना शब्बीर अहमद से मिला। उन्होंने 15 हजार रुपये प्रतिमाह देने व 10:00 से चार बजे तक आने की बात बताते हुए दूसरे दिन से आने के लिए कहा।दूसरे दिन जाने पर उन्होंने सौ रुपये के स्टांप पर हस्ताक्षर कराते हुए इस्लाम धर्म ग्रहण करने की सलाह दी। उन्होंने विदेश में बैठे एक व्यक्ति से बात कराई।, जिसने मुझे इस्लाम धर्म ग्रहण करने पर 20 लाख रुपये देने का ऑफर दिया।

गोरखपुर एयरपोर्ट पर पिस्टल के साथ पकड़े गए युवक के दो और साथी धराए

गोरखपुर एयरपोर्ट पर एक युवक से 32 बोर की पिस्टल मिलने के बाद हथियार तस्करी के नेटवर्क का खुलासा हुआ। पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया जो पिस्टल की तस्वीरें भेजकर ग्राहक जुटाते थे। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहाँ सूर्यप्रकाश को जेल भेज दिया गया जबकि ओसामा और अम्मार को जमानत मिल गई। पुलिस पूरे नेटवर्क की जाँच कर रही है।

संवाददाता,गोरखपुर। एयरपोर्ट पर एक युवक के बैग से 32 बोर की पिस्टल मिलने के बाद शुरू हुई जांच में असलहा तस्करी के नेटवर्क का सुराग हाथ लगा है। पिस्टल की तस्वीरें भेजकर सौदेबाजी करने व ग्राहक जुटाने वाले दो युवकों को बुधवार को गिरफ्तार किया।दोपहर बाद तीनों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से दो जमानत मिल गई। सभी आरोपित देवरिया जिले के हैं।एक अन्य की तलाश चल रही है।

गोरखपुर एयरपोर्ट पर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब देवरिया जिले के धनौती कला गांव निवासी सूर्यप्रकाश यादव की सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग से एक 32 बोर की पिस्टल बरामद हुई। युवक स्पाइसजेट की फ्लाइट से दिल्ली जा रहा था। जब उसका बैग एक्स–रे मशीन से गुजरा, तो संदिग्ध आकृति दिखने पर सुरक्षाकर्मियों ने उसे अलग कर जांच की और पिस्टल बरामद की। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि 15 दिन पहले उसने यह पिस्टल देवरिया के अभय मिश्रा नामक युवक से खरीदी थी।पुलिस की जांच में सामने आया कि सूर्यप्रकाश ने पिस्टल की तस्वीरें रामपुर कारखाना के किशुनपाली गांव निवासी ओसामा अंसारी व अम्मार अंसारी को भेजी थीं। दोनों ग्राहक लाकर हथियार बिकवाते थे। पुलिस ने छापेमारी कर ओसामा और अम्मार को गिरफ्तार कर लिया।आरोपितों के कब्जे से पुलिस एक पिस्टल,दो मोबाइल फोन, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और बोर्डिंग पास बरामद हुए। बुधवार की शाम तीनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से सूर्यप्रकाश को जेल भेज दिया गया जबकि ओसामा व अम्मार को जमानत मिल गई। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

गोरखपुर में सोने–चांदी की चमक बरकरार

सोने में 5700 रुपये प्रति दस ग्राम की तेजी चांदी में 22 हजार रुपये प्रति किग्रा की तेजी सराफा बाजार में पसरा सन्नाटा, ग्राहक गायब

गोरखपुर,संवाददाता। सराफा बाजार में पिछले दो माह से सोने–चांदी दोनों की चमक बरकरार है। बुधवार को देर शाम सोने के साथ ही चांदी ने अब तक के सारे रिकार्ड तोड़ते हुए कीमत का नया रिकार्ड बनाया। जीएसटी सहित जहां चांदी 1,19,900 रुपये प्रति किग्रा तक पहुंच गई वहीं, बाजार में सोने का भाव 24 कैरेट प्रति दस ग्राम जीएसटी के साथ 1,03,500 रुपये किलो रहा। दोनों धातुओं की ऐतिहासिक ऊंचाई से एक तरफ सराफा बाजार में सन्नाटा पसर गया है तो दूसरी तरफ दुकानों से खरीदार गायब हो गए हैं। सराफा विशेषज्ञों की माने तो चांदी में अचानक आइ तेजी की वजह इसकी अधिक खपत, सट्टेबाजी, डालर का कमजोर होना व अंतरराष्ट्रीय हालात बताए जा रहे हैं। चांदी ने इस साल निवेशकों को जमकर मुनाफा दिया है। जनवरी में न्यूनतम भाव 73 हजार रुपये किलो था, जो 20 मई को 98 हजार रुपये के करीब पहुंच गया। यानी सिर्फ दो माह में चांदी ने करीब 22 हजार प्रति किग्रा का रिटर्न दिया। दो माह भीतर चांदी में 22 हजार रुपये प्रति किग्रा व सोने में 5700 रुपये प्रति दस ग्राम की बढ़ोतरी ने कारोबारियों के साथ–साथ खरीदारों के भी होश उड़ा दिए हैं। परंपरा जेम्स एंड ज्वेल्स के निदेशक संजय अग्रवाल ने बताया कि लंबे समय बाद चांदी की कीमत में इतनी अधिक तेजी देखी जा रही है। करीब 11 साल पहले इसी तरह चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली थी जब भाव 60 हजार से बढ़कर 73 हजार रुपये प्रति किग्रा पहुंच गया था। भाव में तेजी से बाजार में सन्नाटा पसर गया है। खरीदार कम आ रहे हैं, जिसे जरूरत है वही खरीदारी कर रहा है।

जवान की पीट पीटकर हत्या

देहरादून से छत्तीसगढ़ ट्रांसफर हुआ था, छुट्टी पर घर आए थे

गया,एजेंसी। आईटीबीपी के जवान की हत्या से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस का कहना है कि पुरानी रंजिश में इस वारदात को अंजाम दिया गया है। छह संदिग्धों से पूछताछ चल रही है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। गया के वजीरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बिहियाईन में गुरुवार की देर शाम आईटीबीपी के जवान संजय यादव (30) की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। उनकी उम्र 30 वर्ष थी। वह छुट्टी में घर आए हुए थे। पुलिस ने उनके शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सुपुर्द कर दिया है। अंत्येष्टि के लिए विभागीय अधिकारियों को आने का इंतजार किया जा रहा है। घटना से संबंधित कार्रवाई के लिए पुलिस आधे दर्जन ग्रामीणों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वह फिलहाल देहरादून में कार्यरत थे, जहां से छत्तीसगढ़ के लिए स्थानांतरित हुए थे। नए स्थानांतरित जगह पर योगदान से पहले छुट्टी लेकर परिवार से मिलने घर आए थे। घटना का कारण पुरानी रंजिश बताई जा रही है।

दो ट्रकों की आमने सामने जोरदार टक्कर

भदोही,संवाददाता। राष्ट्रीय राजमार्ग पर हादसा हो गया। दो ट्रकों की टक्कर में एक ट्रक के चालक और खलासी की मौके पर ही मौत हो गई। भदोही जिले के ऊंज थाना क्षेत्र के नवधन गांव के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो ट्रकों की आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक ट्रक चालक और खलासी की मौत हो गई। इससे दक्षिणी लेन पर जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से वाहनों को हटाकर जाम खुलवाया। दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सावन के कारण हाईवे का उत्तरी लेन कावड़ियों के लिए आरक्षित किया गया है। दक्षिणी लेन से वाहनों का आवागमन हो रहा है। बृहस्पतिवार की देर रात विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक आपस में टकरा गए। इसमें चालक इंद्रजीत नट पुत्र महेंद्र नाथ (40) निवासी ग्राम भभौरा चकिया चंदौली तथा खलासी देवेंद्र यादव (45) पुत्र श्याम बिहारी निवासी मंगला विहार कॉलोनी कानपुर की मौत हो गई। एक ट्रक पर बैटरी तो दूसरे में प्याज लदा हुआ था। टक्कर इतनी तेज थी कि एक ट्रक का अगला हिस्सा ही ध्वस्त हो गया।

प्रेग्नेंसी टेस्ट के आदेश से गुस्सा बाथरूम में कैमरे का सच

गोरखपुर,संवाददाता। बदइंतजामी पर प्रशिक्षु महिला सिपाहियों ने प्रदर्शन किया। मामले में सेनानायक और प्लाटून कमांडर को सस्पेंड कर दिया गया। डीआईजी पीटीएस प्रतीक्षारत हैं। निहारिका शर्मा को 26 वीं वाहिनी का प्रभारी सेनानायक बनाया गया है। गोरखपुर के बिछिया स्थित 26वीं वाहिनी पीएसी ट्रेनिंग सेंटर में अव्यवस्थाओं से नाराज 2023 बैच की 598 प्रशिक्षु महिला सिपाहियों ने बुधवार सुबह जमकर हंगामा किया। वे खराब भोजन, पानी की कमी के अलावा आरटीसी प्रभारी द्वारा अभद्रता किए जाने और बाथरूम के पास सीसीटीवी लगाने का आरोप लगा रही थीं। प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रशिक्षुओं की तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसकी जानकारी होने पर शासन ने देर शाम सेनानायक आनंद कुमार और प्लाटून कमांडर संजय राय को निलंबित कर दिया। वहीं गोरखपुर पीटीएस के डीआईजी एवं प्रधानाचार्य रोहन पी. कनय को प्रतीक्षारत किया गया है। कानपुर स्थित केंद्रीय रिजर्व स्टोर में तैनात निहारिका शर्मा को 26वीं वाहिनी पीएसी का प्रभारी सेनानायक बनाया गया है।

26 वीं वाहिनी पीएसी कैंपस स्थित पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय में 2023 बैच की नागरिक पुलिस की 598 प्रशिक्षु सोमवार से ट्रेनिंग कर रही हैं। बुधवार सुबह करीब छह बजे ये प्रशिक्षु कमांडेंट कार्यालय के सामने एकत्र हो गईं और बुनियादी सुविधाओं की कमी की बात कहते हुए प्रदर्शन करने लगीं। उनका आरोप था कि शिकायत करने पर आरटीसी प्रभारी संजय राय गाली और धमकी देते हैं।

एडीजी को भेजा गोरखपुर

प्रशिक्षकों द्वारा प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही डीजीपी राजीव कृष्ण ने पीएसी के अधिकारियों को सख्त हिदायत दी। उन्होंने एडीजी पीएसी आरके स्वर्णकार को तत्काल गोरखपुर भेजा, जो महिला सिपाहियों की समस्याओं को दूर कराने की कवायद में जुटे हैं।

प्रेग्नेंसी टेस्ट के आदेश ने पहले ही बिगाड़ दी थी बात

दरअसल, पीटीसी की ट्रेनिंग लेने आईं महिला प्रशिक्षुओं में आक्रोश तो चार दिन पहले प्रेग्नेंसी टेस्ट के आदेश से ही शुरू हो गया था। बिछिया में ट्रेनिंग शुरू होने के बाद परिसर में अव्यवस्था और भीषण गर्मी में बिजली कटौती ने उन्हें और भड़का दिया। फिर जिसे अपनी पीड़ा सुनाने गईं, उसने हमदर्दी या उपाय सुझाने के बजाय डांट–डपट दिया। ऐसे में प्रशिक्षुओं को अपनी बात सुनाने के लिए आंदोलन करना ही एकमात्र विकल्प समझ में आया। पीटीसी में महिला प्रशिक्षुओं की ट्रेनिंग सोमवार से शुरू हुई थी। उससे पहले उनका स्वास्थ्य परीक्षण होना था। पीएसी

गेट पर प्रदर्शन कर रहीं कुछ महिला प्रशिक्षुओं ने बताया कि डीआईजी रोहन पी ने स्वास्थ्य जांच के दौरान गर्भावस्था जांच के भी निर्देश जारी कर दिए थे। हालांकि, मामले की जानकारी के बाद आईजी ट्रेनिंग चंद्र प्रकाश ने डीआईजी का आदेश निरस्त कर दिया। उन्होंने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि किसी महिला सिपाही की गर्भावस्था जांच नहीं कराई जाएगी। अगर कोई महिला गर्भवती है तो वह स्वयं शपथ पत्र देकर बैच बदल सकती है। हालांकि पहले वाले आदेश ने महिला प्रशिक्षुओं का तनाव बढ़ा दिया था। सबसे अधिक नाराजगी तो उन प्रशिक्षुओं में था, जिनकी अभी शादी नहीं हुई है। इसके बाद मंगलवार रात में परिसर में बिजली कटने और बुधवार सुबह पानी के संकट ने ट्रेनिंग लेने आईं महिला प्रशिक्षुओं का धैर्य तोड़ दिया।

प्रदर्शन के दौरान बेहोश हो गईं पांच प्रशिक्षु

हंगामे के दौरान महिला प्रशिक्षुओं ने आरोप लगाया कि बाथरूम गंदगी से बजबजा रहा है, जहां स्नान करना संभव नहीं है। दो दिनों से उन्हें साफ पानी नहीं मिल रहा। शिकायत करने पर आरटीसी प्रभारी गाली देने के साथ ही धमकी दे रहे हैं। सुबह आठ बजे के बाद रात में आठ बजे ही कुछ खाने को मिलता है। एक कमरे में 30 प्रशिक्षुओं को रोका गया है। कमरे में मात्र एक पंखा व एक कूलर है। टीनशेड के नीचे सोने की वजह से उनकी हालत खराब है। नहाने के लिए टोटियां भी कम हैं। खुले में नहाना पड़ता है। वहां किसी ने शिकायत पर गंभीरता नहीं दिखाई तो सभी प्रशिक्षु सुबह सात बजे पीएसी के मुख्य गेट पर आकर सड़क पर धरने पर बैठ गईं। विरोध प्रदर्शन के दौरान तेज धूप व गर्मी की वजह से प्रशिक्षु मुस्कान, स्वाति, ऋचा दीक्षित, आरुषि व कोमल राय बेहोश होकर गिर पड़ीं। आनन–फानन उन्हें जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। परिसर से बाहर निकलीं महिला प्रशिक्षु अफसरों पर मनमानी और उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए इस्तीफा देने की चेतावनी देने लगीं।

मामले की जानकारी मिली तो एसएसपी राजकरण नैय्यर मौके पर पहुंचे। पीएसी कमांडेंट समेत कई अन्य प्रशिक्षण विद्यालय के अफसर भी महिला प्रशिक्षुओं को समझाने लगे। बात नहीं बनी तो पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर सुबह 11 बजे पहुंचे पीएसी कमांडेंट आनंद कुमार, सीओ दीपाली राठौर ने महिला प्रशिक्षुओं को सभी समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान कराने की बात कहकर शांत कराया। इसके बाद धीरे–धीरे महिला प्रशिक्षु शांत होकर बैरक में लौट गईं।

बड़ी संख्या में की गई महिला पुलिस कर्मियों की नियुक्ति

यूपी पुलिस में 2 लाख 20 हजार 450 पदों पर पुलिस कर्मियों की भर्ती हुई। इसमें 27,178 से अधिक महिला पुलिस कर्मियों को नियुक्त करते हुए 10,378 से अधिक महिला बीटों का आवंटन किया गया है। यूपी में महिला पीएसी बटालियन का नाम रानी अवंतीबाई लोधी, ऊदा देवी और झलकारीबाई के नाम रखा गया। ये बटालियन बदायूं, लखनऊ और गोरखपुर में स्थापित हैं। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के लिए मिशन शक्ति 5.0, ऑपरेशन गरुड़, ऑपरेशन शील्ड, ऑपरेशन डिस्ट्रॉय, ऑपरेशन बचपन, ऑपरेशन खोज, ऑपरेशन ईगल, ऑपरेशन रक्षा इत्यादि संचालित किए जा रहे हैं।

प्रशिक्षु महिलाओं के जाने के बाद बंद किया गया गेट

पीएसी कमांडेंट आनंद कुमार और सीओ दीपांशी राठौर ने महिला प्रशिक्षुओं को समझा कर शांत कराया और पीएसी परिसर में भेज मेन गेट बंद करा कर फोर्स तैनात कर दिया। उसके बाद प्रशिक्षु महिलाएं प्रशासनिक भवन के सामने बैठ गईं। उनका कहना था कि जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जाएगा, तब तक ट्रेनिंग सेंटर में नहीं जाएगी।

हालांकि, काफी मान–मनौव्वल के बाद महिलाएं ट्रेनिंग सेंटर में लौट गईं।

सोशल मीडिया पर पूरे दिन रही चर्चा

महिला रिक्रूट के आरोपों के बाद सोशल मीडिया पर भी पूरे दिन इसी मामले की चर्चा रही। सपा मुखिया अखिलेश यादव के पोस्ट के बाद एडीजी पीएसी ने अपने एक्स हैंडल से सफाई देते हुए बाथरूम में कैमरे लगाए जाने की बात को निराधार बताया। साथ ही अनुशासनहीनता एवं सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही।

आईजी पीएसी बोलेः सोशल मीडिया पर फैलाई गई अफवाह

26 वीं वाहिनी पीएसी गोरखपुर में रिक्रूट महिला आरक्षियों के विरोध प्रदर्शन पर अपर पुलिस महानिदेशक (पीएसी) मध्य जोन डॉ. प्रीतिंदर सिंह ने कहा कि तकनीकी कारणों से विद्युत आपूर्ति बाधित होने से अस्थायी रूप से जलापूर्ति प्रभावित हुई थी। आईजी पीएसी के अनुसार, बाथरूम में कैमरा लगाने की बात पूरी तरह से निराधार और तथ्यहीन है, सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई गई है। महिला रिक्रूट्स के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले को निलंबित कर दिया गया है। अस्थायी रूप से जलापूर्ति प्रभावित हुई थी। उसे ठीक कर दिया गया है। बाथरूम में कैमरा लगाने की बात जांच में पूरी तरह से निराधार और तथ्यहीन पाई गई है।

– डॉ. प्रीतिंदर सिंह, आईजी पीएसी मध्य जोन

खेतों में जा गिरी बस, 8 की मौत

सरकाघाट (मंडी),एजेंसी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने हिमाचल प्रदेश के मंडी में हुई बस दुर्घटना में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2–2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के सरकाघाट क्षेत्र में वीरवार को हिमाचल परिवहन निगम की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में चार महिलाओं समेत आठ की मौत हो गई है। बस में कुल 29 लोग सवार थे। चालक–परिचालक समेत 21 सवारियां घायल हैं। हादसा सुबह करीब 9:45 बजे हुआ। बस सरकाघाट से दुर्गापुर वाया जमणी जा रही थी। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से हताहतों और घायलों के लिए अनुग्रह राहत की घोषणा की गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सरकाघाट के मसेरन के नजदीक तरांगला में एक बाइक सवार को बचाते समय चालक ने जैसे ही बस हल्की से बाहर निकाली तो सड़क का डंगा धंस गया। डंगा धंसने से बस तीन पलटे खाकर करीब 60 मीटर नीचे खेतों में जा गिरी। बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कुछ यात्री बाहर छिटक गए जबकि कुछ बस के भीतर ही दब गए। यात्रियों की चीख–पुकार सुनकर स्थानीय लोग घटनास्थल की ओर दौड़े। चादर और कंबल के स्ट्रेचर बनाकर लोगों ने घायल यात्रियों को सड़क तक पहुंचाना शुरू किया।

दहेज प्रथा, भव्य शादियों और धर्मांतरण पर अंकुश लगाएगी नई हिन्दू आचार संहिता, काशी विद्वत परिषद ने की जारी

वाराणसी,संवाददाता। काशी विद्वत परिषद ने नई हिंदू आचार संहिता जारी की। इसके जरिये दहेज प्रथा, भव्य शादियों और धर्मांतरण पर अंकुश लगाने की कवायद की जाएगी। काशी विद्वत परिषद ने हिंदू परंपराओं और सामाजिक व्यवहार में सुधार के लिए एक नई हिंदू आचार संहिता जारी की है। 400 पन्नों के इस दस्तावेज को देश भर के विद्वानों, शंकराचार्यों, महामंडलेश्वरों और संतों के साथ लंबे विचार–विमर्श के बाद तैयार किया गया है। नई संहिता में दहेज पर पूर्ण प्रतिबंध, शादियों में फिजूलखर्ची पर रोक और दिन में वैदिक तरीके से विवाह करने की सलाह दी गई है।

ब्रह्मभोज में शामिल होंगे केवल 13 लोग

अंतिम संस्कार के बाद होने वाले भोज में केवल 13 लोगों को शामिल करने की सीमा तय की गई है। इसके साथ ही प्री–वेडिंग शूट और सगाई जैसी आधुनिक प्रथाओं को भी हतोत्साहित किया गया है। संहिता में हिंदू धर्म में वापसी की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। जिन लोगों ने किसी दबाव में धर्म परिवर्तन कर लिया था, वे लोग अपने गोत्र और नाम सहित हिंदू धर्म में वापस लौट सकेंगे। इसके साथ ही मंदिरों की पवित्रता बनाए रखने के लिए मंदिरों के गर्भगृह में केवल पुजारियों और संतों के प्रवेश की अनुमति होगी।

अक्तूबर 2025 में आधिकारिक तौर पर होगी लागू

काशी विद्वत परिषद के महासचिव राम नारायण द्विवेदी ने बताया कि इस संहिता को 70 विद्वानों द्वारा विकसित किया गया है। ये विद्वान 11 टीमों और तीन उप–टीमों में विभाजित थे। प्रत्येक टीम में उत्तरी और दक्षिणी भारत के पांच विद्वान शामिल थे। संहिता को अंतिम रूप देने के लिए 40 से ज्यादा बैठकें आयोजित की गईं। उन्होंने बताया कि इस संहिता की 5 लाख प्रतियां पूरे देश में बांटी जाएंगी। इस संहिता को तैयार करने में मनुस्मृति, पराशर स्मृति, देवल स्मृति के साथ–साथ गीता, रामायण, महाभारत और पुराणों के अंशों को शामिल किया गया है। अक्टूबर 2025 में शंकराचार्यों, रामानुजाचार्यों और प्रमुख संतों की स्वीकृति के बाद इस संहिता को आधिकारिक तौर पर लागू किया जाएगा।

मौनी राय की होगी वापसी

39 साल की ये बोल्ड हसीना करेगी 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में कमबैक, नाम जान लग ना जाए झटका

दिल्ली,एजेंसी। आइकॉनिक टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' जल्द ही शुरू होने वाला है. इस सीरियल में कई किरदारों की वापसी होने जा रही है. इसमें अब 431 करोड़ कमाने वाली फिल्म की हीरोइन भी कमबैक कर सकती हैं. क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2: मोस्ट अवेटेड टीवी सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' के शुरू होने का फैंस को बेसब्री से इंतजार है. ये टीवी का आइकॉनिक शो था. इस टीवी सीरियल के साथ स्मृति ईरानी 25 साल बाद तुलसी विरानी के किरदार में वापस लौट रही हैं. उनके साथ अमर उपाध्याय भी सीरियल में कमबैक करेंगे. वहीं कमबैक की लिस्ट में एक फिल्म एक्ट्रेस का नाम भी जुड़ गया है. 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन में 39 साल की हसीना भी कमबैक कर रही है. दरअसल, ये कोई और नहीं बल्कि एक्ट्रेस मौनी रॉय हैं. मौनी रॉय ने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के पहले सीजन में स्मृति ईरानी की बेटी कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया था. कृष्णा तुलसी के किरदार से मौनी रॉय को काफी पॉपुलैरिटी मिली थी. कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, मौनी रॉय अब 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में भी वापसी कर सकती हैं. मौनी रॉय को टीवी सीरियल्स के अलावा कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में भी देखा गया है।

फिल्मीबीट के मुताबिक, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में एक सरप्राइज कैमियो करती नजर आ सकती हैं. हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नही हुई है, लेकिन प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने जानकारी दी कि एकता कपूर मौनी के साथ एक बेहद खास रिश्ता रखती हैं. मौनी के करियर में कृष्णा तुलसी की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण थी, इसे देखते हुए उन्हें एक अनोखे रूप में वापस लाने की चर्चा चल रही है।

इंडस्ट्री में भेदभाव पर बोलीं नुसरत भरूचा

वह यहां नहीं है क्या मैं वाशरुम इस्तेमाल कर लू

एंटरटेनमेंट डेस्क। कई अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में सैलरी और सुविधाओं को लेकर भेदभाव पर बात की है। अब नुसरत भरूचा ने भी इस पर अपनी राय रखी है। उन्होंने हाल ही में कहा है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ अलग ही व्यवहार होता है। उनका कहना है कि पुरुषों के लिए सेट पर अच्छा वॉशरूम सेट से लेकर अच्छी वैनिटी वैन होती है। हालांकि महिलाओं के लिए सुविधाओं में कमी रहती है।

जितने विकल्प हीरो को मिलते हैं हमें नही मिलते

नुसरत ने हाल ही में नयनदीप रक्षित के साथ बातचीत में बताया है 'जैसे ही बंदा हिट देता, वह इनसाइडर हो या आउटसाइडर इससे फर्क नहीं पड़ता है। उसे तुरंत पांच फिल्में मिल जाएंगी। हालांकि महिलाओं कों संघर्ष करते रहना पड़ता है। मैं 'प्यार का पंचनामा (2011)' से यह बात बोलती आ रही हूं। बस, आपको मौके की जरूरत होती है। जितने ऑप्शंस हीरो को मिल जाते हैं। उतने हमें नहीं मिलते।'

5 मिनट वाशरूम इस्तेमाल करने के लिए लेती थी इजाजत

इसी बातचीत में नुसरत ने आगे कहा 'एक वक्त था जब मैं पूछती थी कि क्या पांच मिनट के लिए हीरो की वैनिटी इस्तेमाल कर सकती हूं? वह यहां नहीं है क्या मैं वाशरुम इस्तेमाल कर लू? हालांकि मैं उस वक्त शिकायत नहीं करती थी। मैं खुद से कहती थी कि मैं खुद को ऐसी जगह लाउंगी जहां चीजें अपने आप मिलें।'

बिजनेस क्लास में चलती हैं नुसरत

नुसरत भरूचा ने बताया कि एक बार उन्हें फिल्म में छोटा रोल मिला था। उनके साथी अभिनेता को बिजनेस क्लास की टिकट मिली लेकिन उन्हें इकोनॉमी क्लास की। उनके साथियों ने उन्हें बिजनेस क्लास में बैठने के लिए कहा लेकिन वह नहीं आईं। आज वह बिजनेस क्लास में ही सफर करती हैं।

नुसरत भरूचा का काम

हाल ही में नुसरत भरूचा फिल्म 'छोटी 2' में नजर आई थीं। फिल्म में उनके साथ सोहा अली खान भी थीं। इसके निर्देशक विशाल फुरिया थे। इसके निर्माता भूषण कुमार और कृष्ण कुमार थे। फिल्म को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था।

'डिप्रेशन ने मुझे बदल दिया'

मुम्बई,एजेंसी। सुरवीन चावला जल्द ही थ्रिलर सीरीज 'मंडला मर्डर्स' में नजर आएंगी। अभिनेत्री अपनी इस सीरीज को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत में सुरवीन ने मेंटल हेल्थ, एक्टिंग करियर में आए उतार–चढ़ाव और डिप्रेशन से गुजरने के अनुभव साझा किए।

डिप्रेशन से गुजर चुकी हैं सुरवीन

बातचीत के दौरान सुरवीन चावला ने बताया कि मैं खुद कुछ साल डिप्रेशन से गुजरी हूं। यह वक्त 2015 के आसपास का था, जब मेरी एक हिंदी फिल्म रिलीज हुई थी। मेरे लिए उस समय उस फिल्म को करना बहुत हिम्मत का काम था। उन्होंने कहा कि जब कलाकार के पास विकल्प नहीं होते, तो वो दौर भीतर से तोड़ सकता है। जब आप अपने काम को गंभीरता से लेते हैं, तो वहां तक पहुंचने में वक्त लगता है। उस समय ने मुझे अंदर से झकझोर दिया था। लेकिन उसी दौर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया भी।

हर कलाकार के मन में आता है, ये क्यों नहल चला?

इंडस्ट्री की अनिश्चितता को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि कभी–कभी हमें किसी सवाल का जवाब नहीं मिलता। आप सोचते हो कि ये चीज तो काम कर रही थी, फिर ये क्यों नहीं चली? ये सवाल हर कलाकार के मन में आता है, क्योंकि ये इंडस्ट्री ही ऐसी है।

मेंटल हेल्थ में बात करना बहुत जरूरी है

मेंटल हेल्थ पर अपनी बात रखते हुए सुरवीन ने कहा कि इसका एक मेडिकल पहलू है, जिस पर मैं कमेंट नहीं करूंगी। लेकिन ये जरूर कहूंगी कि किसी प्रोफेशनल से मदद लेना बहुत जरूरी है। जैसे बुखार होने पर आप डॉक्टर के पास जाते हैं, वैसे ही मेंटल हेल्थ में भी डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इसका मतलब ये नहीं कि आप पागल हैं। उन्होंने आगे कहा कि कभी–कभी ये कैमिकल्स का खेल होता है, कभी इमोशन्स का। हर बात जाननी जरूरी नहीं होती। मदद लीजिए। सबसे जरूरी है बात कीजिए। चाहे आपकी दुनिया छोटी हो या बड़ी, लेकिन बात जरूर कीजिए। ये ऐसा ही है जैसे कहना कि मुझे बुखार है, मेरी तबीयत ठीक नहीं है। कम्युनिकेशन बहुत जरूरी है।

कहानी सुनते ही कह दिया था हां

अपनी नई सीरीज 'मंडला मर्डर्स' को लेकर सुरवीन काफी उत्साहित हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने इस किरदार के लिए तुरंत हां कह दिया था। वक्त नहीं लगा ये पूछने में कि क्या–क्या है इस किरदार में, एक कलाकार के तौर पर खोजने के लिए। हमारी गोपी सर (गोपी पुठरन) के साथ जो पहली मुलाकात हुई, वो ही शुरुआत और अंत थी। उनके पास कहानी सुनाने की ऐसी कला है कि वो आपको पूरी तरह उस दुनिया में डुबो देते हैं। उनकी बातों को सुनते–सुनते वो किरदार मेरी आंखों के सामने उतर आया। मैंने कहानी को कागज पर पढ़ा भी नहीं था, लेकिन सिर्फ सुनकर ही उससे इतनी जुड़ गई कि मुझे लगा कि मुझे ये करना ही है। किरदार बहुत ही दमदार और चुनौतीपूर्ण है। जब मुझे किसी काम में चुनौती नजर आती है, तो मैं उसमें पूरी तरह डूब जाती हूं।

25 जुलाई को रिलीज होगी `मंडला मर्डर्स

'मंडला मर्डर्स' एक मर्डर मिस्ट्री सस्पेंस थ्रिलर सीरीज है। इसमें सुरवीन चावला के अलावा वाणी कपूर, वैभव राज गुप्ता और श्रिया पिलगांवकर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। ये सीरीज 25 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

करण जौहर के साथ फिल्म करने को तैयार Bhuvan Bam

एंटरटेनमेंट डेस्क। अपने यूट्यूब वीडियो बीबी की वाइंस से खूब लोकप्रियता बटोरने के बाद यूट्यूबर और अभिनेता भुवन बाम (ठीनअंद ठंउ) के हाथ एक बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। ढिंढोरा और ताजा खबर वेब सीरीज में उन्होंने अपनी एक्टिंग कला का प्रदर्शन किया। इसके साथ ही वो इसके निर्माता भी थे। अब निर्माता करण जौहर ने उन्हें अगला ब्रेक देने की ठानी है।

क्या है फिल्म का टाइटल?

करण जौहर और धर्मा प्रोडक्शंस अपनी आगामी पारिवारिक मनोरंजक फिल्म के साथ दर्शकों के सामने एक नई जोड़ी लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। खबर है कि करण जौहर ने वामिका गब्बी और भुवन बाम को एक अनोखी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'कुकू की कुंडली' के लिए साइन किया है। इस फिल्म का निर्देशन शरण शर्मा करेंगे।

भुवन बाम ने पहले जाहिर की थी इच्छा

शरण शर्मा इससे पहले फिल्म गुंजन सक्सेना : द कारगिल गर्ल का निर्देशन कर चुके हैं। इससे पहले भुवन ने दूसरे निर्माताओं के साथ काम करने को लेकर दैनिक जागरण से बातचीत में कहा था कि मैंने ऐसा बिल्कुल नहीं तय किया है कि सिर्फ अपने प्रोडक्शन में ही काम करना है।

हां, मेरी एक इच्छा है कि स्वयं कहानियां ढूंढकर जनता को दिखानी है। लेकिन उस दिन का भी इंतजार कर रहा हूं, जब मुझे सिर्फ अभिनेता के तौर काम करने का मौका मिले। जहां मैं सिर्फ बतौर अभिनेता जाऊं, सेट पर 40–50 दिन अभिनय करके वापस अपने घर चला आऊं।

वामिका की इन फिल्मों में हुई थी तारीफ

वहीं बात अगर वामिका की करें तो एक्ट्रेस वर्तमान में फिल्म और स्ट्रीमिंग दोनों में काम कर रही सबसे अधिक मांग वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। जुबली, खुफिया और भूल चूक माफ में अपने अभिनय के लिए जानी जाने वाली वामिका की एक्टिंग को इन प्रोजेक्ट्स में काफी सराहा गया।

सिल्वर स्क्रीन पर डेब्यू करेंगे भुवन

कुकू की कुंडली में हास्य, तीखे संवादों और कुछ बेहतरीन पारिवारिक मूवमेंट्स से भरपूर एक हल्की–फुल्की रोमांटिक कॉमेडी दिखाई जाएगी। इस फिल्म के जरिए भुवन बाम भी सिल्वर स्क्रीन पर डेब्यू करेंगे। डिजिटल स्पेस में उनके प्रशंसकों की दुनिया भर में जबरदस्त संख्या है और ताजा खबर जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ उनके अभिनय ने उन्हें एक गंभीर अभिनेता के रूप में स्थापित किया है।

यूट्यूब के पसंदीदा स्टार भुवन बाम के हाथ करण जौहर का एक प्रोजेक्ट लगा है। अभिनेता उनके साथ फिल्म कुकू की कुंडली से बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म होगी जिसमें उनकी जोड़ी एक खूबसूरत आंखों वाली लड़की के साथ नजर आने वाली है।

भारत को बड़ा झटका, ऋषभ पंत इंग्लैंड सीरीज से हुए बाहर ईशान किशन को टीम में किया जा सकता है शामिल

स्पोर्ट्स डेस्क। पहली पारी में पंत 37 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे, जब रिवर्स स्वीप के चक्कर में गेंद आकर उनके पैर पर लगी। इसके बाद वह जमीन पर ही लेट गए और काफी दर्द में दिखे। पंत के दाहिने पैर से खून रिसता हुआ देखा गया, साथ ही शरीर के उस हिस्से में काफी सूजन भी थी। इंग्लैंड दौरे पर भारत को एक और बड़ा झटका लगा है। भारतीय खिलाड़ियों के चोटिल होने का दौर जारी है और अब इसमें उपकप्तान ऋषभ पंत का नाम जुड़ चुका है। पंत चोटिल होकर इंग्लैंड के खिलाफ बाकी बची सीरीज से बाहर हो चुके हैं। उन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए पैर में चोट लगी थी। इसके बाद वह काफी दर्द में दिखे थे और रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। उन्हें स्कैन के लिए भी ले जाया गया। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से बताया कि उनके पैर की अंगुली टूट गई है और डॉक्टर्स ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। पहली पारी में पंत 37 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे, जब रिवर्स स्वीप के प्रयास में गेंद आकर उनके पैर पर लगी। भारतीय पारी के 68वें ओवर में क्रिस वोक्स की गेंद उनके दाहिने पैर पर लगी। इसके बाद वह जमीन पर ही लेट गए और काफी दर्द में दिखे थे। फीजियो के आने पर भी वह दर्द से कराहते दिखे थे। फिर उन्हें उठाकर ले जाने की कोशिश की गई, लेकिन वह चल नहीं सके। फिर उन्हें एंबुलेंस में ले जाया गया। पंत के दाहिने पैर से खून रिसता हुआ देखा गया, साथ ही शरीर के उस हिस्से में काफी सूजन भी थी।

पंत का बाहर होना बड़ा झटका है, क्योंकि वह इन फॉर्म बल्लेबाज हैं और मैनचेस्टर टेस्ट की पहली पारी में भी शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। अब वह बल्लेबाजी के लिए भी नहीं आएंगे, जिससे भारत इस टेस्ट में एक कम बल्लेबाज के साथ उतरेगा। इसका नुकसान हो सकता है। इंग्लैंड की टीम पहले ही सीरीज में 2–1 से आगे है। अगर भारतीय टीम यह टेस्ट हारती है तो सीरीज भी हार जाएगी।

वहीं, बीसीसीआई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'स्कैन रिपोर्ट में फ्रैक्चर दिखाया गया है और वह छह हफ्तों के लिए मैदान से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई जल्द ही उनके रिप्लेसमेंट का एलान करेगा और ईशान किशन रिप्लेसमेंट हो सकते हैं।' पांचवां टेस्ट लंदन के द ओवल मैदान में 31 जुलाई से चार अगस्त तक खेला जाएगा। किशन ने हाल ही में नॉटिंघमशायर के लिए दो काउंटी मैच खेले हैं और साथ ही टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ खेलने वाली भारत ए टीम का भी हिस्सा थे। हालांकि यह 26 वर्षीय खिलाड़ी दोनों मैचों में से किसी में भी नहीं खेला था। थिंक टैंक केएल राहुल को विकेटकीपिंग करने के लिए भी कह सकता है, लेकिन उन्होंने 2023–24 सीजन में दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद से यह जिम्मेदारी नहीं निभाई है। टीम के अन्य विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को चौथे टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग–11 में नहीं रखा गया था। सीरीज में पंत को दूसरी बार चोट लगी है। लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के दौरान विकेटकीपिंग करते हुए उनकी उंगली में चोट लग गई थी जिसके कारण वह इंग्लैंड की दूसरी पारी में विकेटकीपिंग नहीं कर पाए थे। ध्रुव जुरेल ने तब स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर विकेटकीपिंग की थी।

'बस सपाट पिचों पर ही...

भारतीय बल्लेबाजों को लेकर ये क्या बोल गए मांजरेकर! पंत की चोट पर भी बोले

स्पोर्ट्स डेस्क। मांजरेकर ने कहा, 'मैनचेस्टर टेस्ट का पहला दिन उन लोगों के लिए करारा जवाब था जो यह मानते हैं कि यह युवा भारतीय बल्लेबाजी क्रम केवल सपाट पिचों पर या कमजोर आक्रमण के खिलाफ ही रन बनाता है। भारत के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने मैनचेस्टर में भारतीय बल्लेबाजी की तारीफ की है। उनका मानना है कि भारत के युवा बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन विषम परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन करते साबित कर दिया कि वे केवल सपाट पिचों या कमजोर आक्रमण के खिलाफ ही रन नहीं बनाते। भारत ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में चार विकेट गंवाकर 264 रन बना लिए हैं।

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (58) और केएल राहुल (46) ने भारत को ठोस शुरुआत दी। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 94 रन की साझेदारी निभाई। इसके बाद साई सुदर्शन (61) और ऋषभ पंत (37 रन पर रिटायर्ड हर्ट) ने 72 रन की साझेदारी की जिससे भारतीय टीम पहले दिन 250 के पार पहुंचने में सफल रही। रवींद्र जडेजा और शार्दुल ठाकुर 19–19 रन बनाकर नाबाद हैं। मांजरेकर ने जियो हॉटस्टार पर कहा, 'मैनचेस्टर टेस्ट का पहला दिन उन लोगों के लिए करारा जवाब था जो यह मानते हैं कि यह युवा भारतीय बल्लेबाजी क्रम केवल सपाट पिचों पर या कमजोर आक्रमण के खिलाफ ही रन बनाता है। इंग्लैंड में अमूमन इस तरह की परिस्थितियां मिलती है और उनका गेंदबाजी आक्रमण भी पहले से मजबूत नजर आ रहा था। बेन स्टोक्स ने फिर से अधिक ओवर किए, जबकि लियाम डॉसन ने शोएब बशीर से बेहतर गेंदबाजी की। जोफ्रा आर्चर उनकी गेंदबाजी को और मजबूती प्रदान कर रहे थे।'

मांजरेकर ने कहा, 'भारत का इन परिस्थितियों में पहले दिन चार विकेट पर 264 रन बनाना उसका एक और ठोस बल्लेबाजी प्रदर्शन है। शुक्र है कि ऋषभ पंत रिटायर्ड हर्ट होने से पहले कुछ समय तक टिके रहे।

उम्मीद है कि वह दूसरे दिन बल्लेबाजी के लिए वापस आएंगे।' अपना दूसरा टेस्ट खेल रहे सुदर्शन ने सीरीज के दूसरे और तीसरे मैच में नहीं खेलने के बाद अंतिम एकादश में वापसी करते हुए अपना पहला अर्धशतक लगाया। मांजरेकर ने कहा, 'वह शुरुआत में नर्वस लग रहे थे, जो पहले टेस्ट के बाद टीम से बाहर किए जाने के बाद स्वाभाविक है। इससे आत्मविश्वास पर असर पड़ सकता है, लेकिन खेल आगे बढ़ने के साथ उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता गया और उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की।'

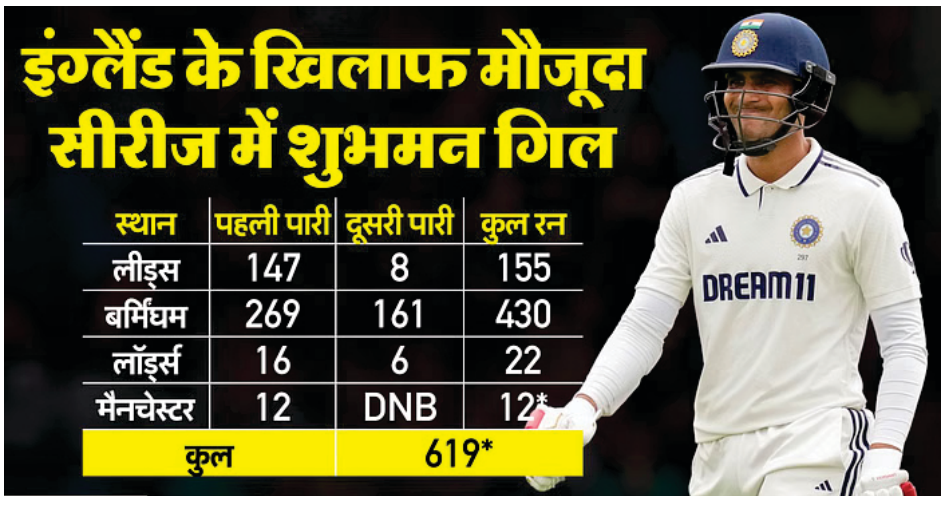

दो टेस्ट में रिकार्डतोड़ प्रदर्शन के बाद गिल के बल्ले में लगी जंग! तीन पारियों में बना पाए 34 रन

स्पोर्ट्स डेस्क। गिल को मैनचेस्टर टेस्ट की पहली पारी में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने आउट किया। गिल 23 गेंद में 12 रन बना सके। इससे पहले लॉर्ड्स की पहली पारी में उन्होंने 16 रन और दूसरी पारी में छह रन बनाए थे। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जा रहा है। टीम इंडिया ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक चार विकेट पर 264 रन बना लिए हैं। शार्दुल ठाकुर और रवींद्र जडेजा 19–19 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दोनों के बीच 29 रन की साझेदारी हो चुकी है। कप्तान शुभमन गिल एक बार फिर इस टेस्ट में फेल रहे। शुरुआती दो मैचों में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद उनके बल्ले से रन निकलना बंद हो चुका है। गिल ने हेडिंग्ले और एजबेस्टन को मिलाकर ही सीरीज में 600 के करीब रन बना लिए थे, लेकिन लॉर्ड्स और अब मैनचेस्टर में उनके बल्ले से रन नहीं निकला है। लॉर्ड्स की दोनों पारियों और ओल्ड ट्रैफर्ड की एक पारी को मिलाकर कुल तीन पारियों में वह 34 रन बना पाए हैं। इससे पहले उन्होंने चार पारियों में 585 रन बनाए थे। गिल को मैनचेस्टर टेस्ट की पहली पारी में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने आउट किया। गिल 23 गेंद में 12 रन बना सके। इससे पहले लॉर्ड्स की पहली पारी में उन्होंने 16 रन और दूसरी पारी में छह रन बनाए थे। इसकी वजह से टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था।

कास्टिंग काउच का शिकार हुईं जानी लीवर की बेटी

एंटरटेनमेंट डेस्क। जेमी को बताया गया कि ऑडिशन वीडियो कॉल पर होगा जहां वह निर्देशक से बात करेंगी। उन्होंने स्क्रिप्ट देने से भी इन्कार किया। कई बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने बताया है कि फिल्म इंडस्ट्री में काम करना आसान नहीं है। कई कलाकारों को अक्सर अपनी राह में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इसमें सबसे बड़ी बाधा है कास्टिंग काउच। हाल ही में जॉनी लीवर की बेटी जेमी ने बताया कि एक बार काम देने के नाम पर उनके साथ बड़ा घोटाला होने वाला था। इस अनुभव से वह डर गई थीं।

जेमी अपने काम खुद ही करती थीं

जेमी ने बताया कि उन्होंने लोगों से कास्टिंग काउच के अनुभव सुने थे, लेकिन उनका मानना था कि इंडस्ट्री में उनके पिता का होना उनके लिए राहत की बात थी। जेमी के मुताबिक करियर के शुरुआती दौर में, उनका कोई मैनेजर नहीं था और वह खुद ही अपने काम करती थीं। एक बार उनके पास एक ऐसे शख्स का फोन आया जो उन्हें एक बड़े प्रोजेक्ट में कास्ट करने का नाटक कर रहा था। जेमी ने जूम से बातचीत में बताया कि 'उन्होंने पूछा कि क्या मैं ऑडिशन देना चाहूंगी। ऐसे मौके हमारे लिए बहुत बड़ी बात होते हैं, इसलिए मैंने हां कह दिया।'

जेमी ने वीडियो कॉल पर ऑडिशन दिया

जेमी को बताया गया कि ऑडिशन वीडियो कॉल पर होगा जहां वह निर्देशक से बात करेंगी। जेमी ने बताया 'उन्होंने कहा कि हम स्क्रिप्ट नहीं देंगे।' इसके बाद उन्हें मीटिंग का एक लिंक मिला। जैसे ही जेमी ने लिंक पर क्लिक किया, उनका वीडियो चालू हो गया।

हालांकि दूसरी तरफ बैठे शख्स ने अपना वीडियो नहीं दिखाया।

उसने कहा 'मैं सफर कर रहा हूं इसलिए मैं अपना वीडियो चालू नहीं कर सकता, लेकिन यह एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म है जिसके लिए हम कास्टिंग कर रहे हैं और आप इस भूमिका में अच्छी तरह से फिट बैठती हैं।'

जेमी से कपड़े उतारने को कहा गया

जेमी को बताया गया कि वह एक बोल्ड किरदार के लिए ऑडिशन दे रही हैं। ऐसे में उन्हें वीडियो कॉल पर ऐसी एक्टिंग करनी है जैसे वह किसी 50 साल के शख्स को इम्प्रेस कर रही हैं।

इस दौरान जैमी से कपड़े उतारने के लिए भी कहा गया। इस पर जेमी ने कहा अगर कोई स्क्रिप्ट होगी तो वह उसके हिसाब से काम करेंगी। ऐसे में दूसरी तरफ से कहा गया 'कोई स्क्रिप्ट नहीं है।

अगर आप कुछ कहना चाहती हैं या कुछ और करना चाहती हैं, तो बेझिझक करें।'

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।